

नाम लीला लक्ष्म्य च वती यति नृम ॥ ४

य क यानि अरुज ॥ मय नालो मधु नि पदा सुद व हि विक्रम ॥ द व की न द न ॥ ए वि ॥ प्री यति ॥ य न् बा रु
भाव न माली वलि ध्वं सी क सा ना ति नै च क ज ॥ वि ष म् रु व ॥ के र रु जि दि ध् ॥ प्री व स ली क न ॥ व स द व
क ॥ स न वान क दू द ति ॥ व ल रु द ॥ य ल च धा व ल द वा ॥ शु ता य ज ॥ व व ती न म ॥ ना स ॥ का म या ली ह
शी वी ला म् व ना नो दि ॥ ए य स्ता ली का म् ग ली ह ली ॥ स क य नि ॥ सी न पा णी ॥ का लि न्दी रु द ना व ल ॥ म द
॥ सा न ॥ य धू म्ना मी न क त न ॥ क न्द थो द य का न ॥ का म ॥ य ॥ र ॥ न ॥ र ॥ स ॥ र ॥ ग म् व ना वि र्म न सि ज ॥ क स म
न न न् य ज ॥ य ध्वा च य ति य ति र्म क न ध्व ज ॥ अ म र ॥ दू द म् वि ष क उ ॥ सा द नि नू द उ वा य ति ॥ ल क्ष्मि

मना ह न द क उ ध्वा म् म ध द्ध यो

धु व द यो क

धु व द यो क

गो द्या दि य स दान व ॥ अ म ना नि र्ज ना द वां हि द ग्म वि र्ध म् स वा ॥ स य र्ता ॥ स म न स हि दि व ग्म दि
ह ॥ अ दि यो या दि वि ष द्वा ल ख अ दि ति न द ना ॥ अ दि यो अ रु वा स्त यो ज म् वा अ म्ना थ र ॥ व र्हि म
॥ क उ रु उा गी र्वा ॥ दान वा न य ॥ रु द्वा व का दे व ता नि ये वि वा द व गा दि या ॥ अ दि र्वा वि ष व र्म व ॥
वि ती ला म् व ॥ ३३ ॥ नि ला ॥ ४ ॥ म हा नो जि क सो ॥ अ नू द ॥ म ल द व गा ॥ वि द्या ॥ म् वा र्वा ॥
का ग ध र्वा कि न्वा ॥ पि ण्म था ॥ उ म् क ॥ लि द्वा ॥ रु ता सी द व यो न य ॥ अ स र्वा दे य दे त म् द नू ॥
दा न वा ॥ ३३ ॥ नि यो दि ति म् गा ॥ पूर्व द वा ॥ स न दि व ॥ स र्व रु स ग गा व द्वा व र्म ना ज रु अ म

ॐ

गुरुमय द्वादशसुतसूर्यायमादिद्यद्वा द्वा द्वा द्वा द्वा द्वा द्वा ॥ १०० ॥ लाङ्कना हङ्कन वृद्ध पलाकन चित्ता कना
 धाता द्विद्वत्सका गृह विद्वत् कन ग्नाय ॥ वि कर्त्तु ना कर्त्तु सा ईष्टु मिदिनात् ॥ यूषण ॥ शुभ निस्तु निर्मिष्टु
 इहानुर्विनाचन ॥ विहावसर्गहयति त्विष्वायति न हयति ॥ लानर्द्ध ॥ सहसा गुह्ययन ॥ स विहाववि ॥ मा ०
 न ॥ यिने लोदुष्ट ॥ १०१ ॥ यानिया श्रिका ॥ सुनसुता ॥ नूला नूत ॥ का ग्नायि नूत ॥ यवि वृष सुयविधि
 नूपसूर्यकमल ॥ किरण प्रमयूखा ॥ गृह विद्वत् निधु कृय ॥ लानू कना मनीचि ॥ सुधी प्रसथा दी ॥ धिति ॥ क्रिया
 ॥ सुहयलानुय विनिष्ठा लानु विद्वत् निधु कृय ॥ १०२ ॥ विनूत लिखिका ॥ यानुतातय ॥ का कर्त्तु कना
 ॥ १०३ ॥

[illegible]

योदापूर्तिमायादाभूमावासीकोकपवर्षेति

^{काधमानाम} यकाधमर्षराययतिद्यानूक् ^{शुविनाम} कु (धे) विथो ^{दाध} पुत्रोयचनिगलीलमूभादलि रुविमस॥ पयैमानावियतादाईय
^{ननोवययैनाम} मलहाथदाहर्न ^{ननोवययैनाम} काकाकास्यह हाहर्न वां कालि यामनाव २॥ कामाहिलायसुर्षय समहानलालसाद्य
^{ननोवययैनाम} उयाधिनाधर्मचिनाय ^{ननोवययैनाम} स्याधिमानसीयथ ॥ स्याधिनासुतिनाधानमूक् ^{ननोवययैनाम} (धे) कलिकतम उयाहाधवसाय ॥
^{ननोवययैनाम} स्यासुवीर्यततिगकिणक् ^{ननोवययैनाम} कपटा ^{ननोवययैनाम} मुर्धजदमूयधय ^{ननोवययैनाम} धुक्केतव ^{ननोवययैनाम} कसुतिविकृति ॥ साधुयमायो ^{ननोवययैनाम} नवधानता ॥
^{ननोवययैनाम} कोहलंयकुठुकी ^{ननोवययैनाम} कोउकंयकुठुकी ^{ननोवययैनाम} मुर्धनविलासविदिक ^{ननोवययैनाम} विरमालालितकथा ॥ हलालीलखमीहावाइकि
^{ननोवययैनाम} या ॥ गृमनरावजा ॥ इवकलिमनीहासा ॥ कीजलीलाचनर्मच ॥ याजोइयद ^{ननोवययैनाम} गलदंय ^{ननोवययैनाम} कीजखलाचकुर्दनी ॥
^{ननोवययैनाम}

१७

^{उलजियानाम} चर्मा निदादा ॥ खेद ॥ स्यायलथानयथयगा ॥ ^{उलजियानाम} अवदिस्वाकावयुफि ॥ समोसम्वगसंजमो ॥ स्यादो ^{उलजियानाम} कुवितकहास
^{उलजियानाम} ॥ सात्यास ॥ समनाकुसिरी ॥ मधमस्यादिहसिर्गनामा ॥ ^{उलजियानाम} श्रामहर्षणी ^{उलजियानाम} कटिर्गनदिर्गकवृ ^{उलजियानाम} कुमुकुविषकुमु
^{उलजियानाम} ली ॥ विपलमू ^{उलजियानाम} विसम्बादार्निगणं ^{उलजियानाम} सुखलणं ^{उलजियानाम} सम ॥ स्यादिदागयनस्याय ॥ ^{उलजियानाम} सुप्र ॥ समं ^{उलजियानाम} ग ॥ ययि ॥ गलीयमीलाल
^{उलजियानाम} कटिर्कु ^{उलजियानाम} कटिर्कु ^{उलजियानाम} कटि ॥ ^{उलजियानाम} मिय ॥ ^{उलजियानाम} महवि ॥ ^{उलजियानाम} स्यादसोभ्य ॥ ^{उलजियानाम} दि ॥ ^{उलजियानाम} सिद्धियकतीविम ॥ ^{उलजियानाम} स्वनूप ॥ ^{उलजियानाम} सुखाव ॥ ^{उलजियानाम} निसर्ग ॥ ^{उलजियानाम} यथ
^{उलजियानाम} यथ ॥ ^{उलजियानाम} कपोथक ॥ ^{उलजियानाम} उद्धर्मा ^{उलजियानाम} महउद्ध ^{उलजियानाम} वडसुव ॥ ॥ ^{उलजियानाम} तिस्रर्गवर्ज ॥ ॥ ^{उलजियानाम} अ ^{उलजियानाम} धुवनयाताल ^{उलजियानाम} वलिसम्व
^{उलजियानाम} सातलम ॥ ^{उलजियानाम} नागलाकाथक ^{उलजियानाम} हर्न ^{उलजियानाम} शुधिर ^{उलजियानाम} विवर ^{उलजियानाम} विल ॥ ^{उलजियानाम} द्विद ^{उलजियानाम} निर्यथन ^{उलजियानाम} प्राक ^{उलजियानाम} रंथ ^{उलजियानाम} ध्वर ^{उलजियानाम} वया ^{उलजियानाम} शुवि ॥ ^{उलजियानाम} गलीवट ^{उलजियानाम} सुविश्व
^{उलजियानाम}

३३

[illegible][illegible]

^{लखनकुनिया २} समुद्रजीवनं वनं वनं । कवचमृदकं वाथयुक्तरं सर्वताम्रं ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} साययानीय कीवनी नाम्बुसम्बरं । मययुष्यं
^{लखनकुनिया २} यनत्रसहिषूद आयममयं ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} एनं सुवर्नं उर्मिर्वा क्षियावीचित्रं ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} मरुत्तुलालकलालो सोदावर्तं मृत्ता
^{लखनकुनिया २} जुमहा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यषकिविन्दुयुषता ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यमाभविदुषः क्षियां । वकाणिष्टरुदा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} स्रुमाशुजलनीर्गमा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} कूलनाधुतीरु
^{लखनकुनिया २} यतीरं वतटं शिषु । ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यात्रावात्रयं वीचीतीत्रयार्णवदत्तं ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} द्वीपाक्षियामनरीयं यदकृष्टं त्रिणकटं । तायाक्षिगीतन्य
^{लखनकुनिया २} लिने सैकतं सिकतामयं ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} निषद्वलमुज्ज्वाल ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यकाक्षी ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} दकृष्टमो । जलोक्तासा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यत्रीवाहा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} कूपकाशुविदावका
^{लखनकुनिया २} ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} नायं शिलिगीतोतार्थं क्षियानो ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} तत्रणिसुत्रि ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} उपपुत्रुपुत्र ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} काल ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} धातामृत्सर्वं स्वतः ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} आननसुनयणं स्यादाणा
^{लखनकुनिया २} ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} नामनपालया यथायानाम ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} ना ३ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} नामयनाम ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} धम ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} धमलेखव ॥

१०

^{लखनकुनिया २} ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} काष्ठाववाहिनी । ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} सीयाशिक ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यातवणिक ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} कर्षुधनमुनाविक ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} नियासका ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यातवाहा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} कूपकाशुपुनवृद्धक ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} नोका
^{लखनकुनिया २} दष्ट ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} क्षयणी स्यादत्रिक्कनियातक ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} साम्दिकामनूषादिजातादोनो ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} सुम्दिका ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} क्षीवर्द्धना वनाधार्द्धतीतनोक
^{लखनकुनिया २} तिनक्षि ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} अत्रि ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} क्षीकाशुद्धा ल ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} सकपाणं युसवनी ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} क्षिष्वागधाम्युसना ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} कल्लानन ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} आविल ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} निमृगः
^{लखनकुनिया २} हीरं गं हीरमृत्ता न तद्वियर्थं ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} अमधमगलस्य गं केवर्द्धा गधीवनी ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} अनाय ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} स्रिजालस्य ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} कृणमूरय विरुद्ध
^{लखनकुनिया २} मन्त्राधमी कृवणी स्याद्वलिगं मन्त्रादनी ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यथुवामासय ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} मन्त्राभानावे ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} सानिष्प ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} उज ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} विष्मल ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} गकलीचाथगल
^{लखनकुनिया २} क ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} गकलार्क ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} सहस्रदष्ट ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} याती नडलुपी निष्ठुक ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} समो ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} तलमीन ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} शिलिचिम ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} याक्षी ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} सुसूरी ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} दथा ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} दृष्टा ॥

^{लखनकुनिया २} ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} यानपाण्डुपाता विरुद्धिषु समुद्रिणी ॥
^{लखनकुनिया २} ३२ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} रुद्रा नाम ॥ ^{रुद्रा २} ^{रुद्रा २} समुद्रा यनपजी ॥

३२

न (॥) स्त्री व हि द्वी रे यत्र द्वा न लु ग य न ॥ कूटं पू द्वा नि य द्वा सि न ख स सि न्न थ डि व । कया ट म न रे उ ली
त दि क त्वा र्ज ल न ना ॥ आ वा ह णं स्या न्ना यानं नि ॥ (॥) नि म्ब वि ना ह णी । स म्मा र्ज नी (॥) ध नी स्या त् के ना व क न
क या ॥ दि य म्ख नि ॥ स व लं स नि य (॥) नि क र्ज लं । स मो स म्ब स थ य म्भो व ण्म ह र्वा सु न धि यो ॥ यो मा न उ य ल
ली स्या सी म सी म धि याम्भो । द्या व आ ली व व लि स्या त् य क ॥ १ स व नाल य ॥ ॥ य न व र्ज ॥ ॥ म ह ॥ २२
धे नि ख लि क्का ह द हा र्थ ध न य र्वा ता ॥ अ डि (॥) गे र्ग नि वि य वा च ल (॥) ले ल नि ला च य ॥ ला का ला क ष्च क वा
उ डि कू ट डि क कू त्मो ॥ अ क्क सु व न म क्का ह द य ॥ ४ पू र्व य र्वा ता ॥ हि म वा नि य (॥) विं (॥) माला वा न् यानि य

उ क ॥ स म्भ म ल य मे ना क ॥ के ला ण ॥ सान्माने यि । का ॥ ३३ म न्द र गं सान्किं सु का व द्वा (॥) य व ॥ ग श्वे मा द न म
न य र्वा ता ॥ कू टा द यो न ग ॥ यो वा ण य स र ग्म वा य ला ग्मान ॥ गि ला दृ य ॥ कू टा म्भो नि य र्वा ता ॥ गे य या त् च त टा ह
उ ॥ कू ट का ॥ स्त्री नि त म्भो ॥ ४ ॥ य क्क ॥ सान् न र धि यो ॥ उ म्भ ॥ य स व लं वा नि य वा ह नि र्ज वा म र ॥ द ली उ क द्वा
वा म्भो द व र्वा ता विल गु हा । ग द्वा र ग ॥ गे ला दृ य ता ॥ कु ला य ला नि र ॥ र व नि ॥ धि याम्भो क र ॥ स्या त्या दा ॥ ४ य य
न य र्वा ता ॥ उ य य का द वा स ना ह मि नू र्द म धि य को ॥ धा तु र्म न ॥ गि ला दृ य (॥) र्ज नि क लु वि (॥) य व ॥ नि क ॥ ३३
वा क्की व ल ता दि यि दि ता द र ॥ ॥ गे ल व र्ज ॥ ॥ अ ट य र्वा ता वि यि न कान नं ग ह न व र्ज । म हा व र्ज म

^{अथ २५} ^{आकाश} ^{गृह्यामसीपसजाहव तया} ^{अवयानाम} ^{वृथायाउमान} ^{अनुवावण}
 नष्मनी गृह्यामसु निष्कटा ॥ आनाम ४ सादयवर्न कृ शिर्म वनमवय ॥ आमाथ गलिका गहायवनवृक्ष
 टिका यमाना कीउउआनेना ४ साधानवनी साधनदवयमदवनमक ४ पूना विर्त वीथ्या लित्रा वलि ४ येकि
 ४ ७ लीलखा उराजय ४ वन्यावन ससूरुसादकै नाहिनवादि दि ४ वृक्षामही नृह ४ ग्नी विटपी या दयसुन ४
 अनाहक ४ क ० ४ ग्नी ल ४ यलाणी दुडुमा गमा ४ वानसाथ ४ रुले ४ यथा ४ ले लयथा दनस्यति ४ उअथ ४ रुलया
 काना ४ सादव ४ रुले गहि ४ व ४ रुला ४ वकणी च रुवा न रुलिन ४ रुली ४ यरुली ४ रुलसं रुलया काववि
 कचसूटा ४ रुल ४ येन विकसित सूरवश्चादय विषा ४ काण नमु कव ४ ग केरुस ग्नी खानि रु ४ कृप ४ अयर्क

२३

ल२

^{आयानाम} ^{अथिया} ^{नट्या} ^{सिमाआदिनवाजावया}
 उरुसु उ लोवली उवत गिह्या लनायगा दिनी वी नृ दु स्मिथूलपमि थयि ॥ नगमयात्रा हउ क्का यउ क्क धः
 ४ अक्रयथ स ४ अक्रयका ४ ४ क ४ ४ सा मूला कारवा वध मुत्रा ४ सम ग्नी खाल ग्नी क्क ४ ग्नी ग्नी ल गि रुज
 ४ ग्नी खालिखवना रु ४ सा मूला वी र ग्नी ल ग्नी ॥ निप्रा ४ निखरवाना मूलैव ४ धादि नामक ४ सात्रा मकु स
 मो व क्की वल्के वल्के ल स क्रिया ॥ काव दार्वि धने व ४ ४ मध ४ समि क्रिया ॥ निष्क ४ काट रवाना वल्ल निर्म
 ४ नि ४ क्रिथो ॥ यरु यलाणी रुदने दलं य ४ रुद ४ यमान ॥ गल्लवासी कि गल य विस्त्रा विटया ४ रुयीयो ॥ वृ
 कादी नां रुले ससा वृनं य सववधन ॥ आम रुल गनाद ४ सा क्क वानमरु विष ४ कावकाजालक क्लीव क

३

लिका कालक ४ यमात् । स्या दु क क क क व क ४ क म लाम क ला ३ म्रियां । म्रिय स म न स १ य थं य स न क स म स मी ॥
म क न न्द ४ य थ न म ४ य ना ग ४ स म ना क ज ३ ॥ दि ही न य स व स व द नी त था द य ४ म्रियां । अ थ क व व व म्ना द न य ३
प्र म्थे रुं द रू ल ॥ वा रू त ३ रू ल जं द्वा ज म्बू ४ म्बू ज म्बू ज म्बू । य थ जा ती य रू त य ४ म्बू लि नी वी द य ४ रू ल ॥ वि द
य्या श्र म्बू मूल पिय थ ली व पिया ट ला । वा धि द्म म्बू ल द ल ४ पिय ल ४ क ३ ना ग न ३ ॥ अ थ क थ क पिक स द्ध धि क २४
य हि म न्म थ ३ त सि न्द धि रू ल ४ य थ रू ल द न ७ ७ व पिय ॥ उ द्म व रू ल रू ला रु रू ॥ ग म ह म द्म थ क ४ का वि द
न व म न्म क ४ क द्वा ला य ग य क ४ ॥ स क य ल्प वि म्बू ल व क ३ न दी वि व म्बू द ४ आ न व धे ना ज व द्वा स म्मा क व द्वा
म रू क क व म्बू १ क म्बू व न म्बू १

[illegible]

वाला विहसिया
अविहसिया

दीवदु कः गिलाकय

ननला दुसि

दीस ऊा विनतत्र विंददुः कक रा ऊं नश ना जा दन रु ला धु के दी तिका याम थ दया ॥ ॐ दे दी ता य
सतत्र दू ऊं उमिमिद वयो पिचि लो यू न पी भा वा स्ति ना यू ॥ गल्लमलि द्वा ॥ पि क्का उ गल्लमली वयूः
त्राच नः कट गल्लमलि श विन वि लो न क मालः कन उ अ कन ऊ क ॥ य की र्य ॥ यू तिक न उ ॥ यू तिक ॥ कलि
का न उ ॥ कन ऊ र द ॥ घ ङ्ग को म क छ मी न व लू वी ॥ ना ही ना ॥ हित क ॥ श्री द ॥ रु द्वा डि म य य क ॥ ग य यी
वाल न न ॥ ख दि ना द न धा व न ॥ अ नि म द ॥ वि ट् ख दि न क द न ॥ ख दि न सि त ॥ साम व ल्का य थ द्या य यू कः
ग ध र्व रु क को ॥ व न उ उ नू क थ नू क थि ए क थ स ॥ व ॥ ३ ॥ यं च ॥ लाम उ व र्द्ध मा न वा उ म्ब का ॥ अ ल्या

२६

य २

समि निया नाम

पतसवा थिय उ ३३

मदन रु ललि

समी समी न ॥ स्या ॥ कमी सकु रु ला नि वा ॥ पि छी ट का म नू व क ॥ स्व स न ॥ क न हा ट क ॥ ल ला थ म द न श क या द
य ॥ या नि रु द क ॥ रु द दा नू द्वा कि लि म यी त दा नू च दा नू च ॥ यू तिका व ॥ ३ ॥ स क स्य द व दा नू थ थ दया ॥ या
ट लि ॥ या ट ला मा द्या का च क्का ली रु ल नू हा ॥ क क वृ ना कू व ना कि ॥ ग म ॥ उ म हि ला क या ॥ ल गा ॥ ग व द नी
गु द्वा थि य रु ॥ रु लि नी रु ली ॥ वि ष क्क ना ग थ रु ली का न म्मा थि य क थ मा म थू क य थु य श ॥ थु न ट क द नू द
लु का ॥ ॥ ग म ना क थ क ना स क दी ॥ क ट न टा ॥ ॥ ग म न क थ न लो ति थ रु ला वाम ल की थि य ॥ अ मृ
ता च व य क्का च थि लि न्नु वि रु त क ॥ अ क्क थु व ॥ क र्थ रु ला रु त वा स ॥ क रि रु म ॥ अ रु था व व थ थ थ

अवलसिया

नयप्रदीपवती गमनी वृषा। यश्च कुलीसुतधली नयसुखी कथं भूयि। अयामार्जः लेखनिका धामाः
 नवमयूत्रकी। यश्च कयलुकी गयलु कीलिही खनमसुनी॥ रुद्रिका वृक्षणी यद्वा रात्री वा मलयधिका
 अश्विनवली बालयग्न कवर्चनवदका॥ मञ्जुषा विकसा जिगी समञ्ज कालमधिका मञ्जुकयलु रथुवी
 रुथुयी यजनेय भूयि॥ यासाय वासा दद्यात्त धनस्यसिः कलमलकः प्रादिनी ककु नानको समुद्रानाः
 दनालरा॥ यन्नि यलु यथकयलु विगयलु द्विवल्लिका काष्ट विना सिंहय की कलद्वौ वनि नुहा॥ निदि
 धिकास्थली यासी वृहती कलुकात्रिका। यचादनी कली दूडो यश्च गर्नाधिक कथयि॥ नीली काला क्लीक

किकाग्रमीनामधयलुका। वृषनी ग्रीरुली तुक्का उनी दाला चनी लेनी। ज्वरु उः सामराजी स्वर्णि
 १ सामवल्लिका। काले मधी कक रुला वाउ जीयुति रुल्ययि॥ ककय कल्या वेदही मागधी वयला कलम।
 उषणयियली। लो लु कांलाध कलि यियली॥ कपिवल्ली कालवल्ली। यसी वनि नयमान। वयनुचवि
 केकाक वि श्रीउ। उरु कला॥ यनद्व सात्रिद्व ग। धी धद्व साद्व कलुकः। गम कलुका। गम कलुका व
 नगृक्ष टन्थयि॥ विष्णु विष्णुयति विष्णुति विष्णुय विष्णुय। गृही मही मध अथ की रावीद्व धिकस
 म॥ गममूली वरुसुगा। ही नूत्रिची वनी वनी। मयथा का। ही नूयलु नावायलु १ गतावनी॥ गृह न

प्रथमी गुरु कालयक हनिद वर। दार्दी यच म्वादा नूह निदा यरु नी ख पि॥ वचा ग ग म्वा म्वा म्वा
 लीसी गतय चिका॥ उ का ह म व ती वे श मा रु सि डो रु सा स का॥ यथा र ट नू व र सिंहा सा वा स का वा जि द
 क क ४ अरु ता नि नि क र्णो ह्या विष् क का ना र य रा जि ता॥ रू द ग म्वा रु का उ दू ४ का किला द श न दू ना
 ४ ग म ल य ४ ह्या की त नि व धु श म धू नि का मि सी॥ मि सु थो र य थ सी क ए व द द ४ मू क स ह्री दु जा स
 म क द ग्धा थ व ल म मा या वि र त उ ला ग नु न धु क मि धु य वि उ र्ग य न य स का वा ला वा द्या ल को य
 प्म न वा रु ग न य थि का॥ मृ दी का (ने रु नी दा दा खा दी म धू न स ति च। स र्वा न रु ति ४ सू व हा वि य ता वि व
 म धू नि ह्या न या ३

३०

ता वि वृ ता॥ वि रु डी न र च ती म्वा मा पा लि (धो रु सु ध नि का काल म धू मू द वि द डे च द्या काल म धि का॥ म धू कं डी
 क कं य वि म धू का म धू य वि का वि दा री की न उ कू दू ग म्वा का रुी च या सि ता॥ अ या की व वि दा री म्वा न हा
 ए व ता दू ग धि का ला झे ली ग म न दी ता य पि य ली ग क ला द नी॥ ख रा म्वा का न वी दी था म य रा लो च म रु
 क ४ (म यी म्वा मा ग नि वा स्या द न ना न्य ल ग नि वा॥ आ म्वा म्वा ४ सि द्धि ल द्वा वृ द न या द य रू म॥ क द
 ली वा नू ल चू वा न म्वा मा वा रु म रु ला॥ का री ला मू न य र्णु रु क क मू म्वा स रु य पि वा रु की दी रु ली सिं ही रु
 प्म की दू ४ य धि र्णि ली॥ ना क ली मू न सा रा सा रू ग म्वा ग रु ना क ली॥ न क ल म्वा रु उ ज म्वा दी क रु की सू व हा च
 रु द्या ना म १

दुमलता कथा ताहि नैटी नली धन नौ ऊन कंणी वरु नरु दृ विला सिनी ॥ छ कि १ गंख १ दू न १ काल दल
 नख मंथी की का क्षी मन्त्रा उ वविका मृगाल कसू रायु ऊ ॥ दू न न रं दल यूर वान यय नि येल वी ध्रुव
 लमयूर लमनई के वरी मरु का नि व ॥ य कि य लु छु क वरि १ य र्थ लो नय क कून म नू माला उ यि छ
 नायु का द वी लता लय ॥ समूदा का वधू काटी व र्थाल (क्ष) यि क थ यि तय सिनी ज टा मी सी जटी लाला
 म गं मिथी ॥ व र्थ रं मू कट रं रं व (अ) रं य र्थ रं क क र्चु न का दा विल क १ काला का वध म र्थ क १ डि
 य (ध) जाति मा य र्थ न जा तो सर्व मो व र्थ ॥ न का र्थ य र्थ यो दि त लु ली या ल्य मा नि व ॥ वि ग ल्या र्थ नि

वनसजायलपुट कलटादि उवधीजातिधय

११ हलक साकन बूहाव क कून सु साहादन सक ह क धमस रं रं टा पाला छ क काल रुभ धनमादि

नमः कथाया

निखान का रुलिनी ग क य र्थ यि सा दृ द ग धा द ग ला (अ) व नी वृ द द न क १ (क्ष) वा क्षी उ म त्या क्षी व य र्था
 सामवल नी य दू य र्थी हे म व ती ख र्थ की नी हि मा व ती ॥ ह य यू की उ का म्बा जी मा य य र्थी म हा स हा ॥ उ लु क
 नी न क रु ला वि वि का यी लू य (अ) यि ॥ व र्थ ना क व नी उ र्थी ख न य र्था ज ग धि का ॥ ज ला य र्थी उ स व हा ना मी यू क
 च सा न सा ॥ जी ग नी च कि का द न ग ॥ अ न्ध र्थ य ला नि का ॥ स ह य व धी च का म्ब व र्थ स १ ज न व र्थ यि ॥ न म र्क
 नी ग लु काली स म न्ध ख दि नी य यि जी व की जी व नी जी वा जी वा नी या म धू य सा ॥ क र्चु ली र्थ म धू क न १ ग र्थ
 द र्था ग जी र्थ कि ना त ति का रु नि म्बा र्थ ना र्थ ति का थ स फ ला ॥ वि म ला सा ग ला रु नि रु ना च र्म का र्थ यि

॥ वायसालीसाइरसा वयस्काथमुकूलकश ॥ निकुम्हादनि कायय कुण्डमनयध ॥ घि ॥ अजमादाक ॥ गग
 ॥ अवाकदकायमानिका ॥ मूलयकन ॥ मीनयदयगालियोधने ॥ अणधकिचनयद्या ॥ वावटीयदयवि
 ॥ ली ॥ कामिल ॥ कर्कण ॥ अद्यनकां ॥ गत्रावनी ॥ ययि ॥ ययना ॥ उ ॥ उगजाददु ॥ कुंमर्दक ॥ यद्याटा ॥ उ ॥ नलः
 ॥ खद्य ॥ पला ॥ सुसुकद ॥ क ॥ लता ॥ कीद ॥ कुमो ॥ तरु ॥ ह ॥ तितथम ॥ हो ॥ वध ॥ न ॥ नु ॥ ने ॥ र ॥ पु ॥ ना ॥ त्रि ॥ म ॥ हा ॥ क ॥ द ॥ र ॥ सा
 ॥ नका ॥ पु ॥ न ॥ न ॥ वा ॥ लु ॥ म ॥ थ ॥ धी ॥ वि ॥ दु ॥ न ॥ सु ॥ नि ॥ य ॥ लु ॥ के ॥ स्था ॥ दा ॥ त ॥ क ॥ ॥ गी ॥ त ॥ ला ॥ य ॥ ना ॥ जि ॥ ता ॥ ग ॥ न ॥ य ॥ धु ॥ धि ॥ र्प ॥ ना ॥ व ॥ ता ॥ धि
 ॥ क ॥ ट ॥ ही ॥ धि ॥ म ॥ ऊ ॥ ति ॥ म ॥ ती ॥ ल ॥ गा ॥ ॥ वा ॥ र्धि ॥ के ॥ श ॥ य ॥ मा ॥ म ॥ स्या ॥ द्रा ॥ य ॥ की ॥ व ॥ ल ॥ रु ॥ डि ॥ का ॥ वि ॥ म ॥ न ॥ यि ॥ या ॥ मृ ॥ धि ॥ वा ॥ ना

३३

॥ ही ॥ व ॥ द ॥ न ॥ य ॥ धि ॥ मा ॥ क ॥ वा ॥ रु ॥ म ॥ राज ॥ ॥ सा ॥ का ॥ क ॥ मा ॥ ची ॥ दु ॥ वा ॥ य ॥ सी ॥ ॥ न ॥ त ॥ य ॥ म्मा ॥ गित ॥ क ॥ या ॥ ति ॥ क ॥ या ॥ म ॥ धू ॥ ना ॥ मि ॥ सि ॥ ध
 ॥ अ ॥ वा ॥ क ॥ षी ॥ का ॥ न ॥ वी ॥ च ॥ सा ॥ न ॥ ल ॥ य ॥ य ॥ सा ॥ नि ॥ ली ॥ ॥ त ॥ स्या ॥ क ॥ ट ॥ म ॥ ना ॥ ना ॥ ऊ ॥ व ॥ ल ॥ रु ॥ द ॥ व ॥ ल ॥ य ॥ धि ॥ ॥ उ ॥ नी ॥ ऊ ॥ नु ॥ का ॥ न ॥ ऊ
 ॥ नी ॥ ऊ ॥ उ ॥ क ॥ उ ॥ क ॥ र्दि ॥ नी ॥ सं ॥ स्य ॥ म ॥ थ ॥ स ॥ टी ॥ ग ॥ ध ॥ मू ॥ ली ॥ य ॥ मृ ॥ कि ॥ क ॥ य ॥ धि ॥ ॥ क ॥ र्दू ॥ ना ॥ धि ॥ य ॥ ला ॥ का ॥ ॥ म ॥ धि ॥ का ॥ ल ॥ व ॥ ल ॥ ॥ क
 ॥ ठि ॥ ल ॥ क ॥ ॥ सु ॥ ख ॥ वी ॥ चा ॥ थ ॥ क ॥ ल ॥ क ॥ प ॥ ट ॥ ल ॥ सि ॥ क ॥ क ॥ ॥ य ॥ दू ॥ ॥ क ॥ म्मा ॥ पु ॥ क ॥ म्मु ॥ क ॥ क ॥ नू ॥ नि ॥ र्वा ॥ नू ॥ क ॥ क ॥ टी ॥ धि ॥ यो ॥
 ॥ ॥ द्वा ॥ क ॥ ॥ क ॥ दू ॥ म्मी ॥ स्या ॥ दु ॥ म्मी ॥ ला ॥ दू ॥ न ॥ रु ॥ स ॥ म ॥ ॥ वि ॥ श ॥ ग ॥ वा ॥ की ॥ ॥ म ॥ द ॥ म्मा ॥ वि ॥ म ॥ ला ॥ वि ॥ द ॥ वा ॥ न ॥ ली ॥ अ ॥ ॥ म ॥ धू ॥ ॥
 ॥ लू ॥ न ॥ ल ॥ ॥ क ॥ द्या ॥ ग ॥ ली ॥ न ॥ लु ॥ स ॥ म ॥ धि ॥ ला ॥ ॥ क ॥ ल ॥ म्मा ॥ या ॥ दि ॥ का ॥ र्दी ॥ मू ॥ ल ॥ क ॥ हि ॥ ल ॥ मा ॥ वि ॥ का ॥ वा ॥ लू ॥ क ॥ म ॥ क ॥ रु ॥ दा ॥ स्य

सू३ धनागवमसू सू निरुद्धात्तय २

नायिकडाण्डुलनाया १

ईर्वाङ्गुणतयव्विका॥सहस्रवीर्यागर्जधोत्रहानकाथसासिता॥गमलामीणतवीर्याचगञ्जलीणकलाक
कशाकून्विन्दामद्यनामामूकामूककमक्षिया॥स्थाद्रुदमूककाउन्दानूगलावकलावृटा॥वं(ण)नूक
प्रकर्मात्रव्विसेत्रहणध्वजा॥गणतयव्वायवदलीवणूमसंनतजला॥नअमुधमनइयोठगलाथका
णमक्षिया॥ॐ॥गङ्गाधायोठगल॥यसिखमिदुवल्वाशा॥नसात्रॐ॥कूकद्रुदा॥यउकाकावकादय॥स्थाः
द्वीवर्णवीनतत्रमूलस्थाणीत्रमक्षिया॥अरुयननदयवाममृणलज्जलासेय॥लामकूकलयलयम
वदाहृकायथ॥नलादयमूलंगमकूमाकयमूखाअयि॥अलीकणंकू(था)दकूयविशमथककूण

वर्णवटकीचकास्तस्य शिवनरुनिनादता। यद्विवायव्ययनूयीउल्लसकजनकः सैवः॥ ४

२तायव्यासः २४ लसमूहयानाम् २५ अक्षयः

योत्रसोगश्चिकधूमसदवर्जवकत्रोदिय। कृशतिचक्रपालयो। मालाहलकहस्तु। नष्टवालकृष्णदासा
 यत्रसंरुणमर्कनी। कृष्णनांमदतिमुष्णानश्राद्धनउर्यदति॥ कृष्णराडाकयसालानामिकलमुल्तांगली
 ।याष्मदुयूगःकुसकाखुवाकःखयनीस्यउ॥ रुलमद्वगमरुच। हिमालसहितासुय॥ खकूत्रःकनकीरा
 लीखकूत्रीचरुणदमा॥ ॥०॥तिवनोयधिवर्ग॥ ॥सिंहामृगन्यःयंचास्यादय्यदःकण
 नीहविश। न्मर्दूवदीपिनोयाद्येनवदुमुमगदन॥ वराहःशूकपाद्युष्टिःकालःथाशीकिनिःकिटिधद
 ष्ठीयाणीस्तद्वनामाकाठरुदानंयधि॥ कयिल्लवंगयुवगभखासुगवलीमखाशमर्कटावानरःकील्लम

॥ सिंहामृगन्ययंचास्योदय्यद्वयकण

[illegible]

नरनामः॥ सुमंत्रागवयः॥ गणः॥ ॐ नमो दयासुगन्दाया गवायाः॥ पञ्चजातयः॥ उद्ध्वस्मृखकायाः॥ र्वनिविका
वालमृषिकाः॥ कृकृदनीगन्धमुखीदीर्घदुष्टुदिवान्धका॥ सनटः॥ ककलासः॥ म्यामृखली॥ ररगमषिकाः॥ ल
तम्कीतनुवाथालुनातमकटकाः॥ ममाः॥ नीलाङ्गुमुकिमिः॥ कर्णुजलोकाः॥ गतपयूः॥ वृष्टिकः॥ गृककीटः॥
स्यादविदुः॥ लोदुष्टुष्टिकः॥ पावावतः॥ कलनवः॥ कयाताथगन्धदनः॥ पनीः॥ नडलुकमुवायसावातिथच
कोः॥ वायाटः॥ स्याद्वनदाजः॥ खञ्जरीटमुखञ्जनः॥ लाहृष्टुष्टुकः॥ स्यादथचायः॥ किर्कीदिविः॥ कलिन्द
मधुम्याटाः॥ अथस्याकृगपगकः॥ दावाद्याटाथसाननकाककथतकः॥ ममाः॥ ककवाकूसासुवृत्तः॥ कक

^{खाद्यानाम १} टण्डुलपत्र १ ^{वनप्रनियानाम १} चटक १ ^{मावलुनय १} कववि १ ^{वाचनयनिवाया १} कृष्ण १ ^{मावलुनयनिवाया १} चटक १ ^{काकिलया} कर्क १
^{उपपति} द १ ^{उपपति} क १ ^{उपपति} द १ ^{उपपति} क १ ^{उपपति} द १ ^{उपपति} क १ ^{उपपति} द १ ^{उपपति} क १ ^{उपपति} द १ ^{उपपति} क १
 ५ ^{मैष्टमयनय १} मैष्टमयनय १ ^{मैष्टमयनय १} मैष्टमयनय १ ^{मैष्टमयनय १} मैष्टमयनय १ ^{मैष्टमयनय १} मैष्टमयनय १ ^{मैष्टमयनय १} मैष्टमयनय १
^{मातामिचिल्लोदाकाय १} मातामिचिल्लोदाकाय १ ^{मातामिचिल्लोदाकाय १} मातामिचिल्लोदाकाय १ ^{मातामिचिल्लोदाकाय १} मातामिचिल्लोदाकाय १
^{शुक्रवाकावथा १} शुक्रवाकावथा १ ^{शुक्रवाकावथा १} शुक्रवाकावथा १ ^{शुक्रवाकावथा १} शुक्रवाकावथा १ ^{शुक्रवाकावथा १} शुक्रवाकावथा १
^{मानसो १} मानसो १ ^{मानसो १} मानसो १ ^{मानसो १} मानसो १ ^{मानसो १} मानसो १ ^{मानसो १} मानसो १

३६

^{गवाविनाटि १} गवाविनाटि १ ^{गवाविनाटि १} गवाविनाटि १ ^{गवाविनाटि १} गवाविनाटि १ ^{गवाविनाटि १} गवाविनाटि १
^{नीलका १} नीलका १ ^{नीलका १} नीलका १ ^{नीलका १} नीलका १ ^{नीलका १} नीलका १ ^{नीलका १} नीलका १
^{को १} को १ ^{को १} को १ ^{को १} को १ ^{को १} को १ ^{को १} को १

^{कवलसंज्ञानाम} गकनिगकनगकनद्विजाः पतद्विपरिपदगपतयनयथलुजाः नानोकोवाजिविकिप्रविविकिप्रयतनयहनी
^{जिक्रिया} उदवागनूत्तकः पिङ्गकामठयंगमाः ^{लितिकुलि} तर्थाविण्यारुवीतामद्रुकात्रुषप्लवाः ^{यन्त्रवर्तनगल} तिरिचिः ^{पयानम} ककलालावाजी
^{लोभयो} वजीवयकात्रकः ^{जव} कायसि ^{उहाय} कष्टि ^{खज्या} रिक ^{मंगलजाति} रका ^म वरुका ^म वरुका ^म दयः ^म गनूत्यक ^म ददाः ^म पदुपतन ^म वतनूहः ^म श्रीप
^{मैमसाया} कतिः ^म पदमूल ^म व ^म का ^म टिवृत्त ^म मि ^म थो ^म पृथी ^म ना ^म उ ^म न ^म म ^म उ ^म नाना ^म ता ^म श्य ^म ग ^म ग ^म ति ^म क्रियाः ^म यणी ^म का ^म वा ^म द्वि ^म दी ^म न ^म लु ^म कला
^म यानी ^म उ ^म म ^म सि ^म यी ^म यो ^म त ^म पा ^म का ^म र ^म का ^म ति ^म रु ^म पृथ ^म क ^म गा ^म व ^म क ^म नि ^म लु ^म श्री ^म पू ^म सो ^म मि ^म धू ^म न ^म द ^म द ^म य ^म म ^म उ ^म य ^म ग ^म ल ^म य
^म नी ^म म ^म म ^म रु ^म नि ^म व ^म रु ^म बू ^म रु ^म म ^म द ^म रु ^म वि ^म म ^म व ^म रु ^म जा ^म का ^म मा ^म ध ^म नि ^म क ^म व ^म वा ^म त ^म वा ^म व ^म म ^म द ^म या ^म त ^म म ^म च ^म या ^म म ^म स ^म द ^म या ^म म ^म

३०

^{यु} दयः ^{यु} म ^{यु} स ^{यु} वा ^{यु} य ^{यु} थ ^{यु} आ ^{यु} ग ^{यु} ल ^{यु} ॥ ^{यु} क्रिया ^{यु} रु ^{यु} म ^{यु} रु ^{यु} ति ^{यु} वृ ^{यु} न्द ^{यु} नि ^{यु} क ^{यु} र्म ^{यु} रु ^{यु} क ^{यु} द ^{यु} म ^{यु} क ^{यु} वृ ^{यु} न्द ^{यु} रु ^{यु} दा ^{यु} म ^{यु} स ^{यु} र्ब ^{यु} न ^{यु} स ^{यु} य ^{यु} सा ^{यु} थो
^{यु} उ ^{यु} ज ^{यु} रु ^{यु} ति ^{यु} ॥ ^{यु} म ^{यु} जा ^{यु} ती ^{यु} थो ^{यु} क ^{यु} ल ^{यु} वृ ^{यु} थं ^{यु} ति ^{यु} व ^{यु} म ^{यु} म ^{यु} न ^{यु} य ^{यु} म ^{यु} क ^{यु} प ^{यु} नू ^{यु} ना ^{यु} म ^{यु} स ^{यु} जा ^{यु} न ^{यु} य ^{यु} म ^{यु} मा ^{यु} जा ^{यु} थ ^{यु} म ^{यु} ध ^{यु} मि ^{यु} लो ^{यु} ॥ ^{यु} स्या ^{यु} नि
^{यु} का ^{यु} य ^{यु} ॥ ^{यु} प ^{यु} ३ ^{यु} रा ^{यु} नी ^{यु} रु ^{यु} क ^{यु} व ^{यु} क ^{यु} रु ^{यु} म ^{यु} सि ^{यु} यी ^{यु} का ^{यु} या ^{यु} त ^{यु} लो ^{यु} क ^{यु} मा ^{यु} य ^{यु} न ^{यु} ते ^{यु} हि ^{यु} वा ^{यु} दी ^{यु} नि ^{यु} त ^{यु} म ^{यु} लो ^{यु} ॥ ^{यु} रु ^{यु} हा ^{यु} म ^{यु} का ^{यु} ॥ ^{यु} प ^{यु} दि
^{यु} म ^{यु} ग ^{यु} ल ^{यु} पु ^{यु} थो ^{यु} रु ^{यु} रु ^{यु} क ^{यु} वा ^{यु} त ^{यु} ॥ ॥ ^{यु} रु ^{यु} ति ^{यु} सि ^{यु} हा ^{यु} दि ^{यु} व ^{यु} न ^{यु} ॥ ॥ ^{यु} म ^{यु} नू ^{यु} थो ^{यु} मा ^{यु} नू ^{यु} थो ^{यु} म ^{यु} थो ^{यु} म ^{यु} नू ^{यु} जा ^{यु} मा ^{यु} न ^{यु} वा
^{यु} न ^{यु} वा ^{यु} ॥ ^{यु} स ^{यु} ॥ ^{यु} पू ^{यु} मा ^{यु} न ^{यु} ॥ ^{यु} प ^{यु} ३ ^{यु} ज ^{यु} ना ^{यु} ॥ ^{यु} पू ^{यु} नू ^{यु} वा ^{यु} ॥ ^{यु} पू ^{यु} नू ^{यु} थो ^{यु} न ^{यु} नू ^{यु} ॥ ^{यु} श्री ^{यु} थो ^{यु} वि ^{यु} द ^{यु} व ^{यु} ला ^{यु} थो ^{यु} या ^{यु} ना ^{यु} वी ^{यु} सी ^{यु} म ^{यु} नि ^{यु} नी ^{यु} व ^{यु} ध ^{यु} ॥
^{यु} प्र ^{यु} ती ^{यु} प ^{यु} द ^{यु} नि ^{यु} नी ^{यु} वा ^{यु} मा ^{यु} व ^{यु} नि ^{यु} ता ^{यु} म ^{यु} हि ^{यु} ला ^{यु} रा ^{यु} थो ॥ ^{यु} वि ^{यु} ण ^{यु} य ^{यु} म ^{यु} रु ^{यु} लो ^{यु} नी ^{यु} वृ ^{यु} का ^{यु} मि ^{यु} नी ^{यु} वा ^{यु} म ^{यु} ला ^{यु} च ^{यु} ना ^{यु} ॥ ^{यु} प ^{यु} स ^{यु} दा ^{यु} रा ^{यु} वि
^{यु} पू ^{यु} नू ^{यु} थो ^{यु} रा ^{यु} य ^{यु} न ^{यु} अ ^{यु} क ^{यु} मि ^{यु} सा ^{यु} ॥ ^{यु} त ^{यु} व ^{यु} का ^{यु} म ^{यु} मि ^{यु} सा ^{यु} ॥

पूनुयमदना लवल्याल नदुकाय

ददाकि जायकाय

ददाकृदकुमालिनः ॥

मासद्वयकृतवित्तधायन

[illegible]

80

द्वलया नाम

बलवन्तया नाम

तवद्वा० यानाम् ।

क. द. क. द. स. य. क.

[illegible]

^{हाकुकाव} ^{शुक्रवाग} ^{सातवाग} ^{मः शुकजादिनवाग} ^{निलयानाम}
 यीनसः॥ श्रीकृष्णदिदवः॥ युसि काससुदवथः॥ यमानः॥ (मरुमुष्यथः॥ मथः॥ यादसुः॥ ठाविपादिका॥ किलासमिध
^{वसयवा} ^{यल्लुके} ^{गवक} ^{मृगगदवा} ^{अमयवाकवा}
 ककुंयुयामपासाविचरिकाः॥ कण्डूः॥ खरुणः॥ कण्डूयाविष्टः॥ विटकसिष्टः॥ वल्लमिधामीममनः॥ क्रीडनाजीवण
^{कृदवलीय} ^{कदिलीय} ^{मियजाव} ^{नववलीय} ^{गहवाय}
 ॥ यमानाका॥ (मण्डलकंकुषं विष्टदनामका लसी॥ अनाहसुविवधस्याद्गहणी नक्षत्रादिका॥ यदुदिकावमिधमी
^{काकलाय} ^{शुक्रगहनदधनावायानिग}
 यमोसुवमथः॥ समाः॥ याधिरदाविदधिः॥ श्रीकलमहरगदराः॥ अश्वरीमृग ककुंस्या नृवैष्टकावधसिष्टः॥ रा
^{वज्रयानाम} ^{निवाग} ^{वागमालकयवा}
 गहार्थगदकोवाविष्टायेद्याविकिसकवाकनिमामयः॥ कल्यउलाद्यानिर्गतागदात्॥ लनलसुआमयावी विक
^{ककुवाग} ^{दकुवाग} ^{अगवाग}
 तायाधितायदः॥ आशुवाः॥ यतिगाथाः॥ समोयामनककुपः॥ ददुः॥ ददुः॥ प्रागीस्यादः॥ (मत्राग यतार्नसः॥ वागकी
^{सामान्यवागीयानाम}

४१

^{वातवाग} ^{यमवाय} ^{मिवासाकवाय} ^{दयवाववाय}
 वातवागीस्यात्तातिसात्राः॥ तिसात्रकी॥ स्यः॥ लिनाः॥ कयूलविल्लः॥ पिल्लाः॥ किन्नः॥ इक्ष्वायामी॥ उन्नरुः॥ उन्नावदति॥ (स
^{लोयवाक} ^{ककुवाय} ^{शुक्रमद} ^{निलक} ^{नृवैष्टिकान} ^{मृदुशिव}
 बालः॥ (स्यलः॥ ककु॥ यदुः॥ (मनूजवृद्ध नारोः॥ उष्टिलुष्टिलो॥ किलासीसिधालाः॥ (धः॥ ददुः॥ कालामूरुमूचितो॥
^{वज्रयानाम} ^{हियलया} ^{नलयानाम} ^{कुडलिवा}
 शुक्रं॥ तजो॥ तसीचवीजवीथद्वियानित्रामायः॥ चिरुः॥ रुलः॥ (स्यवा॥ प्रियानुवगसुम्वरा॥ यिसिरीतनलमास्य
^{लोयानाम} ^{गरुलायानाम} ^{मधुलिना}
 ललकयमामिध॥ उरुफः॥ सुकमानस्यारुदलूलिलिर्नक॥ नधिवः॥ सुः॥ (सहिताः॥ सुत्रकदतजः॥ (मलिनी॥ वृकाः॥ ग
^{नृगलाया} ^{दाकया} ^{मलिवाय} ^{हिनलिया} ^{साला} ^{क्रिय} ^{विनियो}
 मीरुदयदुः॥ ददुः॥ वपावसा॥ यश्चाद्गीवासित्रामन्यानागीउधमनिः॥ निराः॥ तिलकः॥ लामसासिध्वः॥ (मईकिट्टमला
^{अगवाग} ^{अलधया} ^{गत्रया} ^{यलाया} ^{लाली}
 इक्ष्वायी॥ अरुपरीतगुल्लमुप्रीहापस्यथवत्तसासायः॥ दियः॥ कालखण्डयकरी॥ सुसमः॥ सुलिकास्यदितीला

ला दूषिकानेन योर्मलं मूर्ध्नि सुमावृतं आनी वस्त्रो गमलं गच्छतु ॥ यूनी र्वं गूर्थं वस्त्रं स्वमं मुविष्ठा विष्ठां मिथो ॥ स्यान्क
र्यत्र ४ कया ला इमी की कर्णं कलामस्ति च ॥ स्याच्छरी नास्ति कंकालं ४ पृष्ठास्ति रुक् ॥ गन्तु का ॥ निरास्ति नि कत्राटि ४ म्मी या
ध्मास्ति नि रुयर्षु का ॥ अर्धं पती का ॥ स्वयं वी यदनाथ कल वरी ॥ गन्तु वप ४ हंसमनं गरी र्वं वस्त्रं विग्रह ४ ॥ काथा दह ४ म्मी
वर्षं सो मिथामूर्ध्नि सुनू सुनू ४ या दारं य पदं पाद ४ यदक्षि ४ श्वर ॥ मिथ्या ॥ तद्गुणी य टिक उल्लो यमान्धारि न धसुया ४ २
४ ॥ ऊ दारं य सुता जानू य वी वी वदक्षि ४ ॥ सक्लि स्त्री वयं सुनू सुनू धि ४ य सिर्वं कल ४ ॥ उदं वयं न या यूनी वस्तिर्ना
ह न धा दया ४ ॥ कटो ना ॥ लि रुल कं कटि ॥ लि ४ क क मति ॥ य अ नितम्ब ४ म्मी क द्या ४ ॥ स्त्री वरु ज दनं य ४ ॥ कूपको

[illegible]

यस्य॥ श्रीवासवकधूपायि श्रीपित्रैश्च नमः॥ मृगता हिर्मृगमदः कसूरी चोथकालक॥ ककालककायः
 रुलमथकयू रमहियां दणसात्र चन्द्रसंक्रुः सिताशिमवालका॥ गंधसात्रमलयजा रुदधीचन्द्रनामियांति
 लयर्षीउपागार्जं नृक्षनं नृकचन्दनं॥ कचन्दनं चोथजाती कायजातीरुलसमं॥ कयूनायुनृकसूरी ककालर्येक
 मर्दसा॥ गमशानलयनीवरिर्वर्षुके स्याविलपनं चूक्षुनिवासया गमस्य कविर्तवासितं शिष्य॥ संस्कारा गंधमाल्यं
 शैर्यन्या रुदधिवामनी॥ माल्यमालामुजोमूर्द्धि कलमध्वगृहकक्षाय रुषकं निखालम्वियाना नृसैललामकापाल
 ममृशुलम्विस्या कलूधे कदकं दुगता॥ यद्विर्यं कद्विफमूरसि निखास्वापी उ (गमप्रो) नचनस्या नृविश्वदआरा
 कलपल्लिक (गम) गीर्षद्विचन्दनमहियां॥
 (गम) गीर्षद्विचन्दनमगायलय रुदधिवद्विचन्दनं॥

४६

गधप्रियुर्लुता॥ उयधनं नृयवर्दः॥ गय्यायं गयनीयवत्॥ गयनं म॥ ययं कियलका॥ खद्वयासमा॥ समद्वक॥ स
 मयटक॥ यतिगमद॥ यतर्गुह॥ गन्दक॥ कन्दकादीय॥ यदीय॥ यी० मासनी॥ यसाधनी॥ कंकति कायसात॥ यटवासक
 शदर्यलमकनाद (गो) यजनं गालवृनकं॥ ॥ नृमन्यवर्जः॥ ॥ सकति (गम) जनन कलानातिज
 नावथो॥ व (गम) नववाय॥ सकानावर्षु॥ सूर्योदय॥ राजवीजी राजवे (गम) वीक्षुनकुलसंरुव॥ महाकुलकली
 नार्यसयमकुनसाधव॥ वक्षवात्रीटहीवानयस्कारिदु श्रुषुथ॥ आधमाक्षीद्विजात्यय जन्मरुदववाउवा॥
 वियश्चवाक्ष (गम) सोमदुर्मायागमदिरिर्गुत॥ विद्वान्विपश्चिदात्र रु॥ ससूधी॥ काविदावृध॥ श्रीप्रामनी श्री रु॥ या
 लीया ययनदाना मिथ्याजनाधायनरथा युनिगदुष्ट गेयक॥ यद्विद्वान्विपश्चिदात्र

गङ्गाधरसूक्तान्यनादि सक्तुविश्वानादि प्रयत्नकृष्णदि निधकाष्टवृ॥२

यङ्गुनमयादुवाह मयुगी मय २

पञ्चम्यानाम्

वदमववा नृप

ॐ संख्यावानयति ॥ कविः शधीमान् सुविः कृती कृष्टिर्लब्धवः ॥ विवदः ॥ दूतदलीदीर्घदली ॥ गियकादशो
समो ॥ उपधाया ध्यायकः ॥ स्यात्स्यानिष्कादि कृद्गुन् ॥ मनुष्याख्याकृताचार्य ॥ आदद्यावृद्धवती ॥ यथाचयजमानश्च
सप्तमवतिदीक्षितः ॥ ॐ श्रीगौलाया यद्वाकायद्वाविधिनैववान् ॥ संगीयतीत्यासूयति ॥ सामपीतीदुसामयः ॥
सर्ववदाः ॥ गयनः ॥ श्यागः ॥ सर्वस्रदक्षिणः ॥ अनूचानः ॥ यवचनः ॥ सः ॥ धीती ॥ उत्राहुयः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ लब्धवान् ॥ ॐ ॥ स
मावर्कः ॥ सूत्रान्तरितिवक्तः ॥ कृद्गुन् ॥ वासिनो लिखा ॥ लोयाः ॥ पाथमकार्यिकाः ॥ एकवद्वता ॥ चानामिथः ॥ सवद्वता
त्रिणः ॥ सती ॥ ॐ ॥ कृद्गुन् ॥ चितवान् ॥ ग्रिमनिचित् ॥ यात्रमार्थापदल ॥ स्यादेति ॥ मिहिदायय ॥ उप ॥ ॐ ॥ नमो ॥ ॐ ॥
उत्तमूलनिधिः ॥ यवपत्राउपदग ॥ मवनमकममिवद्व ॥

84

शुद्धापनविक्रयः ४ पिठयः सुगन्धलाभादावावलिर्हृगानुयङ्गानिथिपूजनी ॥ २

यद्गुणानाम्

१ श्रुतदलित्यानाम

[illegible]

वर्गः प्रथमः

^{महद्ययमाभनिकासिमुदान दक्षिणमि} यथादीनीय दक्षिणमि ^{१० मयनी पमखन खदुदक्षि क अनयुयुआदिन अनियाम्} १० मयनी पमखन खदुदक्षि क अनयुयुआदिन अनियाम्
^{यस्यमिधन} निसमिधन ॥ गायत्रीयमखकन्द ^{हाममथयका} दयपकचनु ४ यमान् आमीकासाण्ठाक्यादीनस्यादधियागत ४ ॥ ध विरुच
^{यक्यामिधन} ऊनतयदचितं मृगचमीणी ^{यलधनापयकधलि} पृथदाई सदधुई यनमानेनु पायसी ॥ हयकयदेवये १ अनपायईवदिकीक
^{हामयग} यापह ^{यक्यामिधन} ऊदुनीउ ^{यक्यामिधन} ध्ववागदा १ ॥ व ४ दिय ४ ॥ उपाकृत ४ पणु नसोया ^{यक्यामिधन} तिमश्चाहृत ४ कतो ^{यक्यामिधन} यनयनाक लसनयाकः
^{यक्यामिधन} लं चवधार्थक ^{यक्यामिधन} वाचालिनी ४ यमीताय ४ संपन्न ४ याद्विगाहृत ^{यक्यामिधन} सन्नार्थ दवित्र ^{यक्यामिधन} एते उ दूत विषवधकृती ॥ दी दाना वः
^{यक्यामिधन} ह (अयकू ^{यक्यामिधन} सुकर्मो हउयकृयी ^{यक्यामिधन} शिषथकुकर्म ^{यक्यामिधन} पूरुखातादिकर्मणि ॥ असृतीविद्यसायकू ^{यक्यामिधन} लायराजनलप्रथा
^{यक्यामिधन} पूरुविष्णु ४ मवावापी ^{यक्यामिधन} दवसायननानिच ^{यक्यामिधन} आनामप्रवि ^{यक्यामिधन} लक्षण ^{यक्यामिधन} पूरुकर्मवि ^{यक्यामिधन} निर्दिष्टा ॥ ६ ॥

४८

^{दानया निव्याग} ४ आत्मविहायितीदान ^{दानया निव्याग} मूसूऊनविसूऊण ॥ विद्याननवितरण ^{दानया निव्याग} सार्जनयतिपादनी ^{दानया निव्याग} यादशननिर्वचनमेय
^{दानया निव्याग} कऊनमहति ४ ॥ मृतार्थकदहदोन ^{दानया निव्याग} शिषस्यादोईददिकी ^{दानया निव्याग} पिरदाननिवाय ४ स्या ^{दानया निव्याग} क्वाद्धतकर्म ^{दानया निव्याग} गमकू ४ ॥ आवा
^{दानया निव्याग} हार्थमासिक ३ ॥ गम ^{दानया निव्याग} सूमा ४ ॥ कृतया ^{दानया निव्याग} मिया ^{दानया निव्याग} यथय ^{दानया निव्याग} लयनी ^{दानया निव्याग} विष्ठा ^{दानया निव्याग} नृषलचगवकू ॥ ॥ समिधु ^{दानया निव्याग} धयलयांचा
^{दानया निव्याग} हिलक्षि ^{दानया निव्याग} र्याचनार्थना ^{दानया निव्याग} प्रदु ^{दानया निव्याग} शिषयामयार्थ ^{दानया निव्याग} याद्वी ^{दानया निव्याग} पादायवा ^{दानया निव्याग} तिलि ॥ कुमादा ^{दानया निव्याग} तिथ्या ^{दानया निव्याग} तिथ्या ^{दानया निव्याग} वतिथ्या ^{दानया निव्याग} (र्थगसाध
^{दानया निव्याग} नि ^{दानया निव्याग} स्यना ^{दानया निव्याग} वणि ^{दानया निव्याग} कमागनु ^{दानया निव्याग} नतिथि ^{दानया निव्याग} नृहगत ॥ यूजानमस्याय ^{दानया निव्याग} चिति ४ ^{दानया निव्याग} सय ^{दानया निव्याग} र्या ^{दानया निव्याग} दौ ^{दानया निव्याग} हल ^{दानया निव्याग} समा ४ ^{दानया निव्याग} वनि ^{दानया निव्याग} वस्या ^{दानया निव्याग} रु ^{दानया निव्याग} शु ^{दानया निव्याग} णू ^{दानया निव्याग} का
^{दानया निव्याग} यनि ^{दानया निव्याग} चर्या ^{दानया निव्याग} यपासन ॥ व ^{दानया निव्याग} र्क्षा ^{दानया निव्याग} द्या ^{दानया निव्याग} प ^{दानया निव्याग} र्य ^{दानया निव्याग} रन ^{दानया निव्याग} चर्या ^{दानया निव्याग} चर्या ^{दानया निव्याग} यथ ^{दानया निव्याग} क्ति ^{दानया निव्याग} ति ४ ^{दानया निव्याग} उप ^{दानया निव्याग} स्य ^{दानया निव्याग} र्ण ^{दानया निव्याग} स्वा ^{दानया निव्याग} च ^{दानया निव्याग} म ^{दानया निव्याग} न ^{दानया निव्याग} म ^{दानया निव्याग} थ ^{दानया निव्याग} मो ^{दानया निव्याग} न ^{दानया निव्याग} म ^{दानया निव्याग} रा ^{दानया निव्याग} प्र ^{दानया निव्याग} ली ^{दानया निव्याग} अन
^{दानया निव्याग} यन ^{दानया निव्याग} यवचन ^{दानया निव्याग} मवायाय ^{दानया निव्याग} यिध ^{दानया निव्याग} लि ^{दानया निव्याग} धि ^{दानया निव्याग} नि ^{दानया निव्याग} न ^{दानया निव्याग} जा ^{दानया निव्याग} व ^{दानया निव्याग} थ ^{दानया निव्याग} व ^{दानया निव्याग} ल ^{दानया निव्याग} म ^{दानया निव्याग} वा ^{दानया निव्याग} द ^{दानया निव्याग} ना ^{दानया निव्याग} मि ^{दानया निव्याग} य ^{दानया निव्याग} कृ ^{दानया निव्याग} म ^{दानया निव्याग} म ^{दानया निव्याग} व

४पवतत्र४याकि४यारुमुपुष्टत४॥त्रिपोवेविसयनानिद्विषरुवणदुर्दुद४॥द्विद्विपदादितामिददस्युगवण
 गव४अरिद्यातिपत्रात्रातिपयर्थिपविपनिन४॥वयस्य४स्तिगु४सवयाअथमिर्गसखासुदुत॥सखासाफपदी
 नसादनवाधनवर्कनी॥यथाहवर्गु४पलिधिवपसयध्वन४स्यग४॥वात्रगुगुटपुत्रवअफपययित
 क्रिया॥सामन्यवाधातिविकादेवरुगणकावपि॥सुमोदुर्किकमोदुर्कानिवाकिकिकाअपि॥तादिका
 रूतिमिद्वान्त४सुकीटदपतीसमो॥लिपिकप्राद्वनचालीदेवचुडधलखका॥लिखिताद्वनसंस्का
 नलिपिनिविबूहक्रियो॥सामंदनद्वनाद्वताद्वयकहावकसमी॥अधलीनोध॥मध्वन्य४पान्क४

५१

स्वामाशयसुदुकावनाहृद्वनवलानिच॥पयस्यवायकावीदं सफांगरायसुयगा॥कोवणजिनि४सकाशंगअपिवाचमितिदानि॥१

पथिकं०००यपि॥स्वामा४माय४सुदुकाया॥वायुद्वनवलानिच॥वायुनीनियकृतय४योराणल्लययापिचास
 श्विनीविगहायानमासतद्वधवाद्ययशावर्गु४॥कयसिप४यरावासाहसकुजा४॥कयसुनववद्विध
 विव॥नीनीतिविदिनी॥सपताय४यरावध्वयकुज४॥कायदधुडं॥रुदादधु४सामदानमिथ्यायववुष्टय॥सा
 हसंउदसादधु४सामसान्त्वम॥थासमो॥रुदायजायावयधाधमोशयोन्यरीकुली॥य४३विष्वज्जी॥यसुती
 याय॥गमत्रन४॥विविकविजनचक्रनि४॥गलाकासुथावहवावह॥ध्यापीधुवालि॥नेवहस्यतद्वगिय॥समोवि
 मरुविष्वाशोयधार्ग॥मय॥थावितात्॥अश्व॥अयकल्यामुदगनूपसमंजसं॥यकमोपयिकंलथरुजमा

१ सामदानश्च तदधु दधु (अतिवहुर्य) सायाय ककुजाल ३ सफाया ४ पुकीर्तिता ॥ ३ वक्षर्थगहलंवेव पविक्रगस (वेवव) ००० तिदधु विधानरुद
 ४ मरु वा (पनयनं सहय) यानन्दनकथा ॥ सतकु न ३ तदधु तदधु निविधसुत ॥

कुविधियसुग ॥

^{दक्षगणमन्त्रविधि} ४ पाश्वरा (गम) दक्षगणगुणायत ४ दो पूर्व ^{दक्षया} अङ्ग्यादिद (गम) गणवत्कमात् ॥ तावत्पुत्रकमालान् मृधस्तरथगु
^{मिखल} ४ ल अन्धकानि गलासी स्यादक (गम) मृगलिद्वया ४ ॥ वृषाकक्षावत्तस्या कल्यानासङ्गनासम। यवग्नसुत्र
^{किमिवाध} मृदु ४ परिष्काम ४ क (थ) द्रव्या ॥ ^{किमिमालसगाधनसद} वीर्यसानरु ^{किमिवयाथय} श्वार्थवाजीउ गजवधनी ॥ घाटकपीतिउत्रगउत्र ^{किमिवयाथय} श्वरुत्रमा ४ ॥ वा
^{सलया नाम} जिवाहार्थगप्रवदयसे ^{सलया नाम} श्ववसफय ४ ॥ अजानया ४ कलीना ४ स्य ^{सुजागमल} चिनीता ४ साध्वादिन ४ ॥ वानायजा ४ यावलीका ४ का
^{धर्माविनिमल} म्वाजावाहिकाहया ४ यश्वर ^{अश्वमथागलन} श्वमधीया ^{वगवने} जवनमुजवा ^{कववने} धिक ४ ॥ यश्व ४ स्त्री नी ^{वसमिका} सि ४ कक्षा ^{वथवयस} न (थ) वाधीनथस्यय ४
^{मेलया} ॥ काल ४ कि (गम) लावाम्य ^{मामल} श्ववत्तवा ^{मामलसक} वाउर्वग (गम) ॥ शिवाश्वीनयद (थ) नदिननेकनगम्यत ॥ क ^{मेलयासयय} श्वमध्वम ^{मेलयासयय} श्वमनाह

५३

^{मेलिकलपगद} ४ पाश्वरा ^{गलम} निगलमु गलाद (गम) वृ ^{मलमाठ} दं ^{वगवद} व ^{वाकनवद} श्वीयमा ^{हालावद} श्ववत् ॥ आसु ^{वगवद} चित्त ^{वाकनवद} धीनितक ^{हालावद} वचिरीवल्लिरीसूरी ॥ गत
^{मेलिकलपगद} यामु ४ यश्व ^{मेलिकलपगद} धरा ^{मेलिकलपगद} द्या ^{मेलिकलपगद} लभयुयाथ ^{मेलिकलपगद} मस्रिया ॥ कविकाउखलीनासी ^{मेलिकलपगद} गरु ^{मेलिकलपगद} ली ^{मेलिकलपगद} वखन ^{मेलिकलपगद} यमान ॥ यश्व ^{मेलिकलपगद} मृ ^{मेलिकलपगद} लूमलानुल ^{मेलिकलपगद} वाल
^{मेलिकलपगद} रुसु ^{मेलिकलपगद} वाल ^{मेलिकलपगद} शि ४ ॥ शिष्यावृ ^{मेलिकलपगद} लूथितो ^{मेलिकलपगद} यनावृ ^{मेलिकलपगद} रुमदु ^{मेलिकलपगद} बुवि ॥ यानत्र ^{मेलिकलपगद} किलिय ^{मेलिकलपगद} द्वा ^{मेलिकलपगद} र्थगगार्ज ^{मेलिकलपगद} ४ स्य ^{मेलिकलपगद} दना ^{मेलिकलपगद} वथ ४ ॥ अश्व ^{मेलिकलपगद} यश्व ^{मेलिकलपगद} व
^{मेलिकलपगद} थ ^{मेलिकलपगद} मृ ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} यान ^{मेलिकलपगद} न ^{मेलिकलपगद} सम ^{मेलिकलपगद} त्रा ^{मेलिकलपगद} ययत् ॥ क ^{मेलिकलपगद} लू ^{मेलिकलपगद} रथ ४ ^{मेलिकलपगद} यव ^{मेलिकलपगद} रु ^{मेलिकलपगद} ल ^{मेलिकलपगद} रु ^{मेलिकलपगद} यन ^{मेलिकलपगद} व ^{मेलिकलपगद} सम ^{मेलिकलपगद} रु ^{मेलिकलपगद} य ॥ क ^{मेलिकलपगद} ली ^{मेलिकलपगद} वन ^{मेलिकलपगद} ४ ^{मेलिकलपगद} ग ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} टा ^{मेलिकलपगद} मी ^{मेलिकलपगद} स्या ^{मेलिकलपगद} ग ^{मेलिकलपगद} न्दी ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} म ^{मेलिकलपगद} ल ^{मेलिकलपगद} वा ^{मेलिकलपगद} द्वा ^{मेलिकलपगद} र्क
^{मेलिकलपगद} ॥ शिविका ^{मेलिकलपगद} या ^{मेलिकलपगद} य ^{मेलिकलपगद} यान ^{मेलिकलपगद} स्या ^{मेलिकलपगद} दाला ^{मेलिकलपगद} र्थ ^{मेलिकलपगद} खा ^{मेलिकलपगद} दि ^{मेलिकलपगद} का ^{मेलिकलपगद} म्रिया ॥ उहो ^{मेलिकलपगद} रु ^{मेलिकलपगद} द ^{मेलिकलपगद} य ^{मेलिकलपगद} वे ^{मेलिकलपगद} या ^{मेलिकलपगद} द्यो ^{मेलिकलपगद} दी ^{मेलिकलपगद} पि ^{मेलिकलपगद} च ^{मेलिकलपगद} म्मो ^{मेलिकलपगद} वृ ^{मेलिकलपगद} त ^{मेलिकलपगद} र ^{मेलिकलपगद} थ ॥ या ^{मेलिकलपगद} लु ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} म ^{मेलिकलपगद} ल ^{मेलिकलपगद} र ^{मेलिकलपगद} वी ^{मेलिकलपगद} ग ^{मेलिकलपगद} ४ ^{मेलिकलपगद} स्य ^{मेलिकलपगद} न
^{मेलिकलपगद} न ४ ^{मेलिकलपगद} या ^{मेलिकलपगद} न्द ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} म ^{मेलिकलपगद} ली ^{मेलिकलपगद} ॥ तथ ^{मेलिकलपगद} का ^{मेलिकलपगद} व ^{मेलिकलपगद} ल ^{मेलिकलपगद} वा ^{मेलिकलपगद} म्वा ^{मेलिकलपगद} या ४ ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} म ^{मेलिकलपगद} ल ^{मेलिकलपगद}ा ^{मेलिकलपगद} दि ^{मेलिकलपगद} रि ^{मेलिकलपगद} वा ^{मेलिकलपगद} र ^{मेलिकलपगद} ॥ शि ^{मेलिकलपगद} वृ ^{मेलिकलपगद} द ^{मेलिकलपगद} या ^{मेलिकलपगद} द ^{मेलिकलपगद} या ^{मेलिकलपगद} र ^{मेलिकलपगद} थ ॥ तथ ^{मेलिकलपगद} क ^{मेलिकलपगद} द्या ^{मेलिकलपगद} र ^{मेलिकलपगद} थ ^{मेलिकलपगद} व ^{मेलिकलपगद} ऊ ^{मेलिकलपगद} ॥ धू ^{मेलिकलपगद} ४ ^{मेलिकलपगद} मृ ^{मेलिकलपगद} ली

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 1052 1053 1054 1055 1056 1057 1058 1059 1060 1061 1062 1063 1064 1065 1066 1067 1068 1069 1070 1071 1072 1073 1074 1075 1076 1077 1078 1079 1080 1081 1082 1083 1084 1085 1086 1087 1088 1089 1090 1091 1092 1093 1094 1095 1096 1097 1098 1099 1100 1101 1102 1103 1104 1105 1106 1107 1108 1109

[illegible]

राजायामङ्गलवल्लभ मुक्तिया क हाक ३

^{धूलनवालय} ॐ ॐ लोहणमाकल ॥ ^{यताकथा} यताकावे ऊयनी स्या ^{धुजाया} केतनं धुजमसियां ^{अतिरुचि मालहमिया} सावीनागं सनेयद्व ^{अहकान्त्यकच ऊनवकायाया} रुमियागिरययः
^{अहमहकान्त्यकच ऊनवकायाया} दा ॥ अहं पूर्वमहं पूर्व मिश्रं पूर्विका मियां ^{अतिरुचि मालहमिया} आहायूत्रिकादयाया स्यात्तावनाम्नि ॥ अहमहमिकायुय
^{अतिरुचि मालहमिया} दहं काययययनी ^{अतिरुचि मालहमिया} इविलकनः सहावल ^{अतिरुचि मालहमिया} (लो) यालिस्सामं शुभं च ॥ लकिः पत्राकमया (लो) विकसन्नुतिग
^{अतिरुचि मालहमिया} किता ^{अतिरुचि मालहमिया} वीत्रयानं रुयन्यानं वृरुल विनिवानल ॥ यद्वमाथाधनं ऊनी यधनं यविदात्रलं मृधमाकननं स
^{अतिरुचि मालहमिया} र्वां समीकं साम्यायिकं ॥ अमियासमरांनीक ^{अतिरुचि मालहमिया} वल्लः कलरुविगहो ^{अतिरुचि मालहमिया} सयहाहिसंयाग कलि संधाटसंयुग
^{अतिरुचि मालहमिया} ॥ अह्यामर्दसमाद्यात संयमात्या गमाहवाः ^{अतिरुचि मालहमिया} समदायः ^{अतिरुचि मालहमिया} सियः ^{अतिरुचि मालहमिया} संयस्य ^{अतिरुचि मालहमिया} मिया ^{अतिरुचि मालहमिया} जिसमिश्च ^{अतिरुचि मालहमिया} धशा ^{अतिरुचि मालहमिया} नियद्वं वादूय

५१

^{संयममहाकृपा कृपावया} दद्यात् उमूलं वलसंकल ॥ ^{लायवायाया} कृशातु सिंदनादः स्या ^{कमालयातममकनया} केनिर्णयदनायटा ॥ ^{किमि} कन्दनं याध ^{कमालयातममकनया} सत्रावा ^{कमालयातममकनया} र्हितं कनिग ^{कमालयातममकनया} कि
^{कमालयातममकनया} ती ^{कमालयातममकनया} विस्वात्राधनं यः स्वानः यटदा उम्वरोसमो ॥ ^{कमालयातममकनया} यसंरुद्वला ^{कमालयातममकनया} कात्रोह ^{कमालयातममकनया} (०) थ ^{कमालयातममकनया} खिलितं कलं ^{कमालयातममकनया} अऊनी ^{कमालयातममकनया} स्त्रीवमन्यात
^{कमालयातममकनया} उपसर्गः ^{कमालयातममकनया} समं रुयं ॥ ^{कमालयातममकनया} मूर्च्छा ^{कमालयातममकनया} उक ^{कमालयातममकनया} लमाहा ^{कमालयातममकनया} यवमर्द ^{कमालयातममकनया} मुयी ^{कमालयातममकनया} उर्न ^{कमालयातममकनया} अह्यवस्कन्दनं ^{कमालयातममकनया} वन्या ^{कमालयातममकनया} सादनं ^{कमालयातममकनया} विजया ^{कमालयातममकनया} ऊयशा ^{कमालयातममकनया} वेत्र
^{कमालयातममकनया} छुद्विः ^{कमालयातममकनया} यती ^{कमालयातममकनया} कात्रा ^{कमालयातममकनया} वे ^{कमालयातममकनया} रनिर्या ^{कमालयातममकनया} तनं ^{कमालयातममकनया} यसा ^{कमालयातममकनया} यादावा ^{कमालयातममकनया} द्वाव ^{कमालयातममकनया} सं ^{कमालयातममकनया} द्वाव ^{कमालयातममकनया} सं ^{कमालयातममकनया} द्वाव ^{कमालयातममकनया} विदवा ^{कमालयातममकनया} दव ^{कमालयातममकनया} शा ^{कमालयातममकनया} अपत्रा ^{कमालयातममकनया} कुमा ^{कमालयातममकनया} ययान ^{कमालयातममकनया} अत्र
^{कमालयातममकनया} लरुर्जः ^{कमालयातममकनया} यत्रा ^{कमालयातममकनया} ऊय ^{कमालयातममकनया} यत्रा ^{कमालयातममकनया} जित ^{कमालयातममकनया} यत्रा ^{कमालयातममकनया} लुता ^{कमालयातममकनया} शिष्ट ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} कृति ^{कमालयातममकनया} रा ^{कमालयातममकनया} दिगो ॥ ^{कमालयातममकनया} यमायलं ^{कमालयातममकनया} निवर्ह ^{कमालयातममकनया} नं ^{कमालयातममकनया} निर्वर्ण ^{कमालयातममकनया} विग्न ^{कमालयातममकनया} वलं ^{कमालयातममकनया} यवास
^{कमालयातममकनया} नं ^{कमालयातममकनया} यत्रा ^{कमालयातममकनया} सनं ^{कमालयातममकनया} निमूदनं ^{कमालयातममकनया} निहि ^{कमालयातममकनया} सनं ॥ ^{कमालयातममकनया} निवर् ^{कमालयातममकनया} सनं ^{कमालयातममकनया} निवर्ण ^{कमालयातममकनया} लं ^{कमालयातममकनया} निर्व ^{कमालयातममकनया} कन ^{कमालयातममकनया} मया ^{कमालयातममकनया} सनं ^{कमालयातममकनया} निमू ^{कमालयातममकनया} हलं ^{कमालयातममकनया} निहन ^{कमालयातममकनया} नं ^{कमालयातममकनया} कल ^{कमालयातममकनया} नं ^{कमालयातममकनया} यविव
^{कमालयातममकनया} दस ^{कमालयातममकनया} म्या ^{कमालयातममकनया} दि ^{कमालयातममकनया} स ^{कमालयातममकनया} प ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} द ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} म ^{कमालयातममकनया} य ^{कमालयातममकनया} व ^{कमालयातममकनया} क ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} यी ^{कमालयातममकनया} उ ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} म्या ॥ ^{कमालयातममकनया} दनि ^{कमालयातममकनया} ४ ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} की ^{कमालयातममकनया} क ^{कमालयातममकनया} व ^{कमालयातममकनया} ल ^{कमालयातममकनया} अ ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} रु ^{कमालयातममकनया} ति ^{कमालयातममकनया} नी ^{कमालयातममकनया} य ^{कमालयातममकनया} म्या ॥ ^{कमालयातममकनया} यी ^{कमालयातममकनया} ति ^{कमालयातममकनया} य ^{कमालयातममकनया} ति ^{कमालयातममकनया} नी ^{कमालयातममकनया} उ ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} म ^{कमालयातममकनया} य ^{कमालयातममकनया} व ^{कमालयातममकनया} क ^{कमालयातममकनया} म ^{कमालयातममकनया} स ^{कमालयातममकनया} द ^{कमालयातममकनया} ह ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} वि ^{कमालयातममकनया} का ^{कमालयातममकनया} न ^{कमालयातममकनया} म ^{कमालयातममकनया} ह ^{कमालयातममकनया} क ^{कमालयातममकनया} य ^{कमालयातममकनया} ध ^{कमालयातममकनया} ४ ॥ ५

अहमहकान्त्यकच ऊनवकायाया

ऊर्त॥ निर्वायन विगसन सावर्ण्यतिद्यातन॥ ३॥ नासनयमथन कुथना॥ आसना निव॥ आलम्पि ३॥ विगत्रः
 द्याताना नुवधमपि॥ स्यान्वचगा कालधर्मादिष्टा क॥ यलया शयश॥ अनाना ॥ १५॥ दया मृग्य मर्तर्ल निधना मि
 यी॥ यत्रासया फेयं च नृ यत्र तथ तसं किताशा मृगय॥ नीतो निधन विता विद्या चितिः॥ मियां॥ कर्व (धम) क्रियाय
 कमयमूर्ध कलवर्न॥ १५॥ गमनं स्यान्नि रुवर्न कयल॥ १५॥ वसमि यी॥ यगदा यगदोर्वद्यां काया स्यादधनालय॥ १५॥
 पसिरुमृगसवध्यान् (धेव) जीवा सुधावर्णी आयुर्क॥ विरकालाना जीवा उर्क॥ विताय धर्म॥ ॥ १५॥ तिदियव
 र्ग॥ ॥ उत्रया उत्रजा अर्या वेसा रुमि सृष्टि विग॥ १५॥ आजीवाजी विकावा र्क॥ वृद्धिर्वर्क॥ नजीवन॥ मियां

७८

कृषि॥ याष्टया ल्यां वालिर्गतिरुयश॥ सवाध्वरुद्रिनर्त कृषि॥ ३॥ गिल्लुर्क॥ १५॥ दया विताया चित्तया र्यथसखा
 मृगामृग॥ स्यान्वर्तवनिगव॥ स्याद्वर्णयर्थद ३॥ ३॥ उद्वात्रार्थयथाग दु॥ कसीद वृद्धिजीवका॥ या कु॥ या फे या
 चित्तर्क॥ नियमादायमिष्टर्क॥ उरु क॥ अधम॥ १५॥ यथा कृया रुको कमात्॥ कणी दिका वाद्वि कावृद्धा जीव
 यवाद् विशां दंश जीव॥ कर्षक॥ कृषक॥ कृषीवल॥ कर्षक॥ वेद॥ यगल॥ यी हि गमल॥ द्रुवो चित्त॥ यथोव
 यथोव विष्टि॥ यवादि रुवर्न॥ हियग॥ तिलो गेली नवनाथा माण॥ रुक्षी द्वि नृयत्॥ मोझी न॥ कोदवील॥ दि॥ १५॥
 धान्या द्रुवकर्म॥ वीजा कर्त॥ रुक् कर्ष॥ सीर्य कर्ष॥ चरुल्यवत्॥ विपुल॥ कर्त॥ रुगीया कर्त॥ दिदल॥ विसीर्यमपि

७९

गिल्लुर्क॥ ३॥ उमा॥ उमीन॥ १५॥ रुक्षी॥ रुक्षी॥ १५॥ रुक्षी॥ रुक्षी॥ १५॥ रुक्षी॥ रुक्षी॥ १५॥

तस्मिन् द्विष्य कृतं सर्वं पूर्वं सम्पादकृतमपीह ॥ दाण्डकादिवापादो लिकार कि कादयः ॥ खात्रीयः
 चुरवनीक उरुम लुदयसिध ॥ यन्नयं सकथार्थयः कदानः कुरुमस्यु ॥ केदारकं स्यात्केदार्यं केरुं केदारि
 कर्त्तुं ॥ लायानिलसूत्रं यंसि काटि ॥ लयूरुदतः ॥ राजनता दनता ॥ खनिश्चमवदानं ॥ दार्शनविशर्म
 वं ध्यायथाकुम ॥ थदले ॥ निनीयं कूटकं खालः ॥ कृषिकालाग्लहलं ॥ ॥ दावर्णं वसीरधु ॥ गस्यामीयग
 कीलकः ॥ ग्रीष्मलाग्लदधुः ॥ स्यात्सीतालाग्लयद्वतिः ॥ यंसि मधिः ॥ खलदावृत्तयनधुवधन ॥ आशुवीहि
 ॥ पाटलः ॥ स्यात् ॥ गितगूकयवोसमो ॥ ताक्कमुत्तहवित ॥ कलायसुसतीनकः ॥ हवणं खण्डिको वास्मिन् कावपू

७२

अमुकादवः ॥ मनीलाकामसूत्राथ मद्रवक मयस्कं को ॥ वनम ॥ द्रुसर्वयउदगनुरुकदमको ॥ सिद्धार्थध्रुवधव
 ला ॥ मधूमः ॥ ममनः ॥ समो ॥ साधावकमु कल्लाव धलकाह निमकुजः ॥ ॥ दोतिलतिलयउध ॥ तिलयिधुधनि
 सुल ॥ कवः ॥ कृष्णसि जननी ॥ नाजिकाकृषि, कामनी ॥ द्विथोकं ॥ पियर्नं ॥ अगसी स्यादमा कुमा ॥ माउलानी
 गुरुनी ॥ यीवीहि रुदन्तः ॥ यमान् ॥ किं गवः ॥ सस्य गूकं स्यात्कलिगं सस्यमधुनी ॥ धान्यं वीहि रुमवनिः ॥ रुम
 उरुमसूत्रादिनः ॥ नाजीनालः ॥ का ॥ अस्या यलालासी सनिहलः ॥ कउर्नं ॥ वावृत्तलीवधुनायवियमां युधः ॥
 लूकामी लुङ्गी ॥ द्वायगमी गिमा विमूरुव ॥ मद्रमावसि ॥ तंधान्यं ॥ यूर्तुवदली कर्तं ॥ मायादयः ॥ गमी धान्यगूक

वीहि साहचर्यं यमाध्यायदनसकदगध्यानायुक्त ॥ वीहि १ यव २ मसूर ३ मधूम ४ मद्र ५ माय ६ तिल ७ धनक ८ अमूर ९ पियर्न १० कादव ११
 मद्रुदव १२ कलाव १३ कूलुक १४ यव १५ सर्वप १६ तिषीणि १७ मद्रुदगनी निधायमा ३

[illegible]

खाकलुं कललमुगिष्यथाशायाय ४ कूटनियावम्भी गत्रावावर्द्धमानक ४ मृजीषयिष्यचनं कं सांमीयानराज
न ॥ कूट ४ कूट ४ सुहयार् सेवात्मा कूटय ४ यमान ॥ सर्वमावयनं राहुं पाशमर्चय राज न ॥ दर्वि ४ कम्भि ४ खजा
कावस्या रुद्रुद्रा नूहस्तक ४ अमी ग्म कं ह नित कं गिगू नस्य उतालिका ॥ कउम्वश्रु कलम्वश्रु वं गवानउय
स्मन ॥ तिकिजी कं च चक ४ वृक्षासु मथ वल् ४ ॥ म निचकाल कं कक म्बलं धर्म यरुने ॥ जीनका जन ॥ ५ ॥ जा
जी कल कूट ४ जीनक ॥ सुखवी का नवीधृथी यथ ४ कालाये कं चिका ॥ आर्दकं गुं गवर्तस्या दथ कश विगुन
की ॥ ककुम्ब नूच धान्याक मथ सृष्टी महोषधं ॥ मीनयं सकथा चिष्यं नागवं विश्वरुचं ॥ आलना नक शोवी

न कल्पावति सगानिनु। अवति सामभान्यान् कञ्जला निच काञ्जिकं॥ सहस्रवाधिरुक्तं बाली कंदिउ वा
 म० म॥ तन्यशी कानवीयथी वाथी काकवनीयथ॥ निग्नकी काञ्जनी पीता हनिदा वेन वलिनी॥ सामई यदुलव
 लमदीर्ववलिर्नचकन्॥ सेश्वामी गितलिर्वमलिमर्कं च सिंधु॥ प्रोमक वसूक पाकं विजिचकृतकदयी॥ सो
 वर्यलंकनचकं किलकं तस्यमचकं॥ मन्त्रा श्रीरु। लिर्नखण्ड वि कात्रो गकं नागिता॥ कश्चि कादी न वि कृतिः
 स्यादसालाउमाजिता॥ स्यादुमर्नयुनियाने॥ विलिनी वासिना वध॥ गूलाकर्तं हटिर्नच गूलामस्वां दुधे०
 वी॥ यलीतमपसंयनं ययसं स्यात्संस्कृतं॥ स्यान्निर्झिलं विजिलं संमृष्टं॥ धिर्नसम॥ विकल्पं मसुलं निघुं
 मूलजादिनपाशमयादाउलि॥

न कल्पावति सगानिनु। अवति सामभान्यान् कञ्जला निच काञ्जिकं॥ सहस्रवाधिरुक्तं बाली कंदिउ वा
 म० म॥ तन्यशी कानवीयथी वाथी काकवनीयथ॥ निग्नकी काञ्जनी पीता हनिदा वेन वलिनी॥ सामई यदुलव
 लमदीर्ववलिर्नचकन्॥ सेश्वामी गितलिर्वमलिमर्कं च सिंधु॥ प्रोमक वसूक पाकं विजिचकृतकदयी॥ सो
 वर्यलंकनचकं किलकं तस्यमचकं॥ मन्त्रा श्रीरु। लिर्नखण्ड वि कात्रो गकं नागिता॥ कश्चि कादी न वि कृतिः
 स्यादसालाउमाजिता॥ स्यादुमर्नयुनियाने॥ विलिनी वासिना वध॥ गूलाकर्तं हटिर्नच गूलामस्वां दुधे०
 वी॥ यलीतमपसंयनं ययसं स्यात्संस्कृतं॥ स्यान्निर्झिलं विजिलं संमृष्टं॥ धिर्नसम॥ विकल्पं मसुलं निघुं
 मूलजादिनपाशमयादाउलि॥

नकवाधूलाव भिक्षा १

बालकर्म बाधूलसा १

सुखनविजयीवसा१

ठवन् वादवसा ॥

साक्षात् आदयः

॥ काल्यायस र्यायजन यष्टोही वालगर्हिणी ॥ स्यादच छी उसूक ना वदू ॥ ति १ यत्र युका ॥ चित्रसूता वसू यनी ॥
 धन ४ स्थान वसू तिका ॥ सुवता सुख सदा स्थायी ना धीयी वत्र सुनी ॥ दाली क्षी रा दाल दूया ॥ धनू या वश कस्कि
 ता ॥ समां समी ना साथे व युति वर्ये यसू यता ॥ दुध मुक्ती वमायी न समो गिव क कील को ॥ नयं सि दाम स दानं
 पशु वरू मुदाम नी ॥ वै ॥ मधु मक्त मक्तान मक्ताना मक्त दण्ड क ॥ क ॥ नरा दण्ड विष्णु म्हा मक्त नी ग न्नी सम ॥ ७
 यु कमल कमय महार्नी १ क नर १ गि १ १ कल १ १ ल १ १ ल का दान के १ या द व श ने १ ॥ अजा का गी सुत १
 काग वसू क गल का मू १ १ म १ १ न १ १ न १ १ न १ १ म १ १ व १ १ क १ १ य १ १ क १ ॥ उ १ १ न १ १ उ १ १ न १ १ द १ १ स्या १ १ द १ १ क १ १ न १ १ क १ ॥

三

या लसवृन्द १

वनिजालयानथक १

ऊर्कः। चकीवकमुवालयानासरागर्दराः खराः॥ वेहकः। सार्थवाहा नैगमावानिजावनिर्कः। यश्च जीवा
 द्वापनिकः। कयकि कयिकश्च॥ विकतास्यादिकयिकः। कायकः। कयिकः। समो। वालिस्तु वनिस्त्रास्यान्मू
 ल्यवस्त्रायवकयः॥ निवीयप्रियर्णमूलधनं लाहाधिकं रुलं। युतिदानयनीवर्द्धनेभयनिमयावयि॥ यमान
 यनिधिन्यासः। युतिदानं तदर्थं। कथयसाविर्कयः। कसंक्रतयमाशुकः॥ विकर्ययलितयं च यत्नं कय्या
 दयप्रिष। क्लीवसस्यापनं सर्थं कानः। सस्याकृतिः। श्रियां॥ विप(ण)विकयः। संख्याः। संख्यायद्वादणप्रिष। वि
 णाद्याः। सदेकश्च सर्वः। संख्यायसंख्यायाः॥ संख्या(र्थ)द्विवदूत्सुस्मासूचानवतः। प्रियः। पंकः। गतसह

^{नीचकृपणनीजन}
 नीचः पाकृतं पृथक् नः। विहीनापसदा जालः ^{कलक} कलकश्च तत्र सः॥ रुचदाभयदाभयदाभय
 (मथकचटकाः) निथाश्च किंकवपेयः रुजिश्च पत्रिचात्रकाः॥ पत्राचितपत्रिचकदपत्रजातपत्रेधित
^{अलाभिया}
 ॥ सन्दमुदपत्रिचक अलसगीतकालसः नूतः॥ दक्षुचउत्रयणलः पटवः ^{अनुवजनया} सूकानेडयश्च वा ३०
 अलप्रवसारुद दिवाकीरिजल नमाः॥ निथादस्य पत्रावकवासिचा अलपूकसाः शदाः किवा
^{अदिल्या}
 टगवलपूलिदाभकजातयः॥ यालेसुगवधजीवासुगयल्लवकापिसः कोलयकः सात्रमयः
^{विवाया} ^{वासिलनरविवा} ^{अदिल्याविवा}
 कृकवा सुगदणकः॥ उनका रुचकः॥ सादलक सुसथागितः॥ अविश्वकुरु सुगयाकृगल
 (मसीसरककायमलोक वाचं वरायत) सवविवाविहीनाभो मरु ०० विवायन ॥ २
 कृकवमुनिः ॥ ३॥ नः कपिलामणुलः ॥ ४॥ नः ०० तिवाचस्यति ॥ १

२ बाधनरुतद किर्णो ०० सवर्णयस्य रुविनस्य द किर्णमालुधु आगच्छति अनिमसासकः॥
^{माधिया} ^{कुसाया} ^{लाधभाययु} ^{अरुजया}
 ॥ सत्रमाउनी॥ विदुनः ^{कृकवा} कृकवागमसा वरुनसु नूतः ॥ पणुः ॥ आकादनसु गवसा दाखटा सनयादिया
 दक्षिणनूतत्रयागमदक्षिणमार्कनरुकः॥ ओवीकागमत्रिकसुनदसूतसु वसायकाः॥ पत्रिया धियवा
^{वयानास} ^{अयकस} ^{अयधनया}
 सुदिपाट चत्रमलिमुवाः॥ ओविकारु नोथोथचसु यलासु उतद्वनः॥ वीरससु पकवली वधनसु गप
^{अलियानास} ^{दिलीखपातया}
 दिलाः ॥ उमाथः कूटयनु सादाउवा सुगवधनी॥ गुं वसु वाट कसु रुनरु मिश्रवटी पुणः ॥ उद्वारनद्य
^{कृपाट} ^{नरुथकाययण} ^{दोपया} ^{धुलिमथकाकाया} ^{द्वेवुदीनवा} ^{लिययाया}
 टायनु गलिलादाहनपहः॥ पृसिवसावापदलुः ॥ सुगालि वलितकवः ॥ वालि रूतिमिथो उलयपूकन
^{नक्षत्रादिनलय} ^{कटास्रियानाम} ^{पलाया}
 यादिकसमलि॥ पञ्चमलिकापुणिकासा दसु दनादिहिः ॥ कृताः ॥ पिटकः ॥ पटकः ॥ पठासः ॥ यथविह
^{कृटाखयनु} ^{कूटयनु} ^{कूटनरु} ^{ननयक} ^{कूटयनु} ^{आमिषदवा सुगयदिला वधनाथ सितिसंवा नयक}

^{धनकावया} ^{कामसंगिकया}
 ए० क० ट० दी० वा० ४ कामक० कमिता० न० क० ४॥ क० सु० ४ कामयिता० रीक० ४ कमन० ४ कामना० रिक० ४ वि० ध० था० वि० त० य० ग० द०
^{मगवनेनययित०} ^{धारायययय} ^{विनययय} ^{विनययय} ^{खमवनेनय}
 व० य० न० क्ति० त० अ० ग० व० ४ व० ग० ४ य० ल० थ० नि० र० त० वि० नी० त० य० सु० ता० ४ स० मा० ४ ध० व० ध० व० ध० वि० या० त० य० ग० ल० ४ य० ति० रा०
^{विमययययय} ^{विमयययय} ^{विमयययय} ^{विमयययय} ^{विमयययय}
 नि० त० ॥ स्या० द० ध० व० ध० ल० नी० ॥ वि० ल० का० वि० स० या० नि० त० ॥ अ० धी० न० का० त० न० र० को० री० न० री० न० क० री० ल० का० ॥ अ० ग० न० सु०
^{आलिखितयय} ^{आलिखितयय} ^{आलिखितयय} ^{आलिखितयय} ^{आलिखितयय}
 रा० न० सि० त० वि० ग० ह० या० ल० न० दी० त० वि० ॥ ग० द्वा० ल० ४ ग० द्वा० या० य० क० ॥ य० त० या० ल० सु० पा० त० क० ॥ ल० जा० नी० ल० य० ग० वि० क० ॥ र्व० द्वा०
^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय}
 न० न० रि० वा० द० का० ग० रा० य० र्द० त० का० सि० स० ४ स्या० द० द्वि० क० सु० व० र्द० न० ॥ उ० न० य० रि० क० सु० न० य० रि० ता० ल० क० रि० क० सु० म० न० त० र्द०
^{जायलपूया} ^{जायलपूया} ^{जायलपूया} ^{जायलपूया} ^{जायलपूया}
 क० र्व० वि० क० र्व० वि० ता० व० रि० क० र्व० र्द० न० ४ स० मो० ॥ नि० रा० क० रि० क० ४ दि० प्र० ४ स्या० न्या० न० सि० न० सु० म० द० न० ४ क्ता० ता० उ० वि० द० ना० वि०

११

^{कावकया} ^{कामसंगिकया}
 न० ॥ वि० का० सी० रु० वि० क० स्व० न० ॥ वि० सु० च० रा० वि० सु० म० न० ४ य० सा० नी० च० वि० सा० वि० लि० ॥ स० रि० क० ४ स० ह० न० ॥ क० ना० ति० ति० द० ४ दि० सि० ता०
^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय}
 क० मी० ॥ का० ध० ना० म० र्व० ल० ४ का० यी० च० लु० च० श० क० का० य० न० ४ जा० ग० न० का० जा० ग० रि० ता० य० रि० त० ४ य० च० ता० ला० यि० त० ४ स० य० क०
^{निदागीलया} ^{निदागीलया} ^{निदागीलया} ^{निदागीलया} ^{निदागीलया}
 ल० या० ल० नि० दाल० नि० दा० ल० ग० यि० तो० स० मो० ॥ य० ना० द० ख० ४ य० चा० ची० न० ४ स्या० द० वा० द० य० धा० म० ख० ४ द० वा० न० च० ति० द० व० द०
^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय}
 द० वि० श्रु० द० वि० श्रु० ग० ४ ति० य० ४ स० ह० च० ति० सा० ॥ अ० द्वा० स० ति० य० द० य० सि० ता० ४ ति० ॥ व० दा० व० दा० व० दा० व० का० वा० नी० ॥ ग० वा०
^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय}
 च० ति० ४ स० मो० ॥ वा० चा० य० कि० ४ य० द० र्वा० ग० मी० वा० व० दू० क० थ० व० क० नि० ॥ स्या० क० ल्या० क० सु० वा० च० ला० वा० च० टा० व० दू० ग० दू० वा० का० द०
^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय} ^{मगवनेनयय}
 म० र्व० म० र्व० ना० व० द० म० र्व० ग० न० ४ यि० र्य० व० द० ॥ ला० ह० ल० ४ स्या० द० सु० ट० वा० क० ग० र्द० वा० दी० रु० क० द० द० ४ स० मो० क० वा० द० क० च०

^{काकसुत्रयुक्त} नो स्यादसोमसुत्रासुत्रा ॥ वरल ॥ १ ॥ दनानादीवादीनादीकनसमो ॥ ज ॥ ३ ॥ उमुकसु वकुं ॥ अमुमिदि
^{मानसकय} ता ॥ रुक्मी ॥ नीलसु ॥ रुक्मीका ॥ न ॥ (ना) वासादिगमन ॥ १ ॥ निष्कासिता ॥ स्वकृष्ट ॥ १ ॥ स्या ॥ दयधसु सु धि कृत ॥ १ ॥ आरुगर्वा
^{निवकुया} हि ॥ रुत ॥ १ ॥ स्या ॥ दापि ॥ १ ॥ साधित ॥ १ ॥ समो ॥ अधिदिफयति ॥ किं यो वद्वकी ॥ लिगसंयतो ॥ अयन ॥ आयन्या ॥ १ ॥ स्या ॥ का
^{वनादोपितस्य} न्दि ॥ नीका ॥ रुय ॥ १ ॥ स्या ॥ आका ॥ निरु ॥ १ ॥ काविगा ॥ हि ॥ ग ॥ रु ॥ १ ॥ क ॥ सु ॥ का ॥ स्त्रि ॥ १ ॥ वा ॥ स ॥ ना ॥ रु ॥ य ॥ न ॥ को ॥ दो ॥ वि ॥ रु ॥ सु ॥ या ॥ क ॥ लो
^{सिधायविदयुक्त} समो ॥ वि ॥ ल ॥ वा ॥ वि ॥ क ॥ ल ॥ १ ॥ स्या ॥ रु ॥ वि ॥ व ॥ १ ॥ नि ॥ रु ॥ द ॥ द ॥ धी ॥ १ ॥ क ॥ १ ॥ रु ॥ १ ॥ स ॥ न ॥ द ॥ १ ॥ वा ॥ र ॥ ता ॥ यी ॥ व ॥ १ ॥ धा ॥ य ॥ १ ॥ द ॥ य ॥ १ ॥ व
^{वैवलसुतावय} दि ॥ ग ॥ ता ॥ व ॥ ध ॥ १ ॥ नी ॥ र्थ ॥ रु ॥ द ॥ १ ॥ मो ॥ स ॥ मो ॥ ॥ वि ॥ धा ॥ वि ॥ ध ॥ ल ॥ व ॥ १ ॥ धा ॥ या ॥ म ॥ ग ॥ ला ॥ म ॥ ग ॥ ल ॥ न ॥ य ॥ १ ॥ धि ॥ धि ॥ दान ॥ १ ॥ क ॥ रु ॥ च ॥ मी ॥ व
^{मननकायया}

१२

^{उपलया} यल ॥ धि ॥ क ॥ रु ॥ १ ॥ समो ॥ ॥ दो ॥ धे ॥ क ॥ रु ॥ क ॥ य ॥ रा ॥ रा ॥ नी ॥ नि ॥ क ॥ रु ॥ न ॥ रु ॥ १ ॥ ० ॥ १ ॥ क ॥ रु ॥ १ ॥ उ ॥ प ॥ १ ॥ सू ॥ च ॥ व ॥ १ ॥ स्या ॥ नि ॥ धु ॥ ना ॥ द ॥ रु ॥ न ॥ १
^{मिसादावमालशव} खल ॥ १ ॥ नृ ॥ १ ॥ सो ॥ धा ॥ रा ॥ क ॥ १ ॥ क ॥ रु ॥ १ ॥ या ॥ पा ॥ धू ॥ रु ॥ सु ॥ व ॥ च ॥ क ॥ १ ॥ अ ॥ रु ॥ मू ॥ र ॥ य ॥ थ ॥ जा ॥ रु ॥ मू ॥ र ॥ व ॥ धे ॥ य ॥ वा ॥ लि ॥ ग ॥ १ ॥ क ॥ द ॥ य ॥ १
^{उकेवा} क ॥ य ॥ ल ॥ रु ॥ द ॥ कि ॥ म ॥ च ॥ न ॥ मि ॥ त ॥ म ॥ च ॥ १ ॥ नि ॥ रु ॥ सु ॥ द ॥ र्धि ॥ १ ॥ धा ॥ दी ॥ ना ॥ द ॥ नि ॥ दा ॥ द ॥ र्न् ॥ ता ॥ पि ॥ सु ॥ १ ॥ व ॥ नी ॥ य ॥ का ॥ या ॥ च ॥ न ॥ का ॥ मा ॥ १
^{कय} र्न् ॥ १ ॥ या ॥ च ॥ का ॥ र्थि ॥ नो ॥ ॥ अ ॥ रु ॥ का ॥ र ॥ वा ॥ न ॥ रु ॥ न ॥ १ ॥ उ ॥ रु ॥ य ॥ सु ॥ रु ॥ रा ॥ वि ॥ रु ॥ १ ॥ दि ॥ धा ॥ पि ॥ पा ॥ दू ॥ का ॥ दि ॥ वा ॥ नृ ॥ ग ॥ वा ॥ धा ॥ ज ॥ रा ॥ य ॥ जा ॥ १
^{मननकायया} सु ॥ द ॥ जा ॥ १ ॥ रु ॥ मि ॥ द ॥ १ ॥ म ॥ धा ॥ १ ॥ प ॥ दि ॥ स ॥ र्था ॥ द ॥ य ॥ १ ॥ रु ॥ जा ॥ १ ॥ ॥ ॥ ति ॥ या ॥ लि ॥ व ॥ र्न् ॥ १ ॥ ॥ ॥ उ ॥ दि ॥ द ॥ सु ॥ रु ॥ ल ॥ या ॥ १ ॥ उ ॥ दि ॥ द ॥ १
^{उकेवा} हि ॥ रु ॥ म ॥ दि ॥ दा ॥ सु ॥ रु ॥ र ॥ सु ॥ चि ॥ र ॥ वा ॥ नृ ॥ सु ॥ य ॥ म ॥ सा ॥ धू ॥ १ ॥ रु ॥ न ॥ ॥ का ॥ रु ॥ म ॥ ना ॥ र ॥ म ॥ नृ ॥ र्थ ॥ म ॥ ना ॥ रु ॥ म ॥ रु ॥ म ॥ रु ॥ लो ॥ त ॥ द ॥ स ॥ च ॥ न ॥ व ॥ १
^{मननकायया}

३५४

मासुयसगकया

ययायया

रुफ नोत्राकायस्यदर्शनार्त्तु ॥ अरी धूरी स्थितं दृश्यं दयितं बल्लरं यियं । निरुधुयति कृष्णार्धप्रकायायावसा
धमाशा कपूयकसिगावद्य खेटगर्वाण काऽस माऽमली मसक मलिने कर्चने मलदुवितां ॥ पूर्णं य विरु मधु
चवीर्धु विमलार्थकं । निर्विकसाधिरं मधु निःस्पृहमधमनवस्करं ॥ अण्णं रुरु नु नूयानु वलिकरुक्कः
निककी क्लीवयुधनं यमूखयवकानुरुमा रुमाशा मूखावर्यावरं ल्हायु युवर्धनवना द्रुवित्ता यनाध्यायर्ध
गहनयायु ग्मायीयमरियं ॥ एयान् एषु ४ पक्षलऽस्या सुरुमध्म ति (ग) रने । स्युनुरुनयदद्याय युन
वर्धरुउ ५३ राशा सिद्धं मर्द्धलना गम्याऽयं सि (घ) ष्ठा र्थ (ग) चराऽअपायुं दयदी नद अयधनायसर्क

13

धनपदलिपिनेवानकाव (य) ययानाम

तवविस्तारया

कंदया

न ॥ विष्णंकटं पृथुवृहद्विष्मलं पृथूलं महत् ॥ वडा नूविपुलेयी न पीधी उत्कूलपीवत्र ॥ स्माकाल्य क लुका
ऽसूक्ष्मं लू दं दं कृणं तनू । सुयीमाशा गूठी ये सि लवलण कण नवऽ ॥ अश्रुत्या लिष्टमलीयं कणीयाणी
यं श्रुयि । यमूर्तयचनया स्र मदर्शं वदूलं वदू ॥ यनूहं यनूहयिष्टं किनं रूयध्र हनित्र । यत्र ४ गताया
सुयथा यत्रासंख्या गतादिकात् ॥ गलनी यं तु गलयं स्या नूखातगालिर्तं सम । सर्वविश्वम (ग) र्धकृन्म
समस्तनिखिलाखिलानि १ (ग) यं समर्यमसं सकलं यं लुमखुं स्यादनुतकदाती निवकनं सार्धं यलववित्र
लंगना समीपनिकटा सन्नसं निकृष्टं सनी नवत् ॥ यवगमस्यासं सविध समयादसं वगवत् ॥ उपकण्ठनि

स्वानुसंधानादकया

अथथिप्रया

अतिनिकट्या

अतिदूर्या

कात्यायुः स्यात् अथ हिताययं संसकृत्तवदित मयदानेन मिथ्ययि ॥ नदिषु मन्त्रि कर्म स्याद्दूरं विषः
 कृष्णकं दवीयधद विष्टं च सुदूरं दीयमायतं ॥ वरुले निस्सुनं वृक्षं वधून् कृत्ताननं ॥ उच्चयां गून्तनादप्य
 क्रितामुं गथवामन ॥ न्यद्वीचकस्रखर्वाः स्युर्नवा एव नताननं ॥ अनालं वृजितं जिह्म मर्मि मर्क विराननं
 आविष्टं कटिलं तुर्गं वल्लितं वक्रमिथ्ययि ॥ मृजाव जिह्म ययुष्मो यस्तु ययुष्म कलो ॥ गमश्चतमुक्त्वानि शः
 सदागतसनातनाः शकाम् ॥ छिन्नगतः शक्यान् क नूयतया तु यशा कालयापीसकूटस्तः ॥ स्कावना जर्ज मगतः ॥ च
 निष्कृर्ज्ज मचर्नं स मिर्जं चराचनी चलनं कर्म्यं चर्लं लालं चला चलं ॥ चर्लं चपलं चैव पा लिप्तव
 मायममो नवदु ॥

१४

चलया

अतिअधिक

तधिकारुया

कालिया

पलिप्तव ॥ अतिनिकटं समधिकं दृष्टं धिमुसं हतः क कूटं कठिनं कूर्नं क ॥ अर्नं निष्टूरं दृष्टं ॥ ज० रं मः
 रिमं मूर्कं यदृष्टं पोरमधिती ॥ पुराणयुतत सन्न यरातन चिरीतना ॥ युशे एरि नवानथानवीतानूतनानव
 ॥ नूनं धसु कमानं नु कामलं मृदुलं मृदु ॥ अन्व ग न्व दमन एम नूयदं क्लीवमययं ॥ यश दं स्यादे द्रियकमप
 यकमगी द्रियं ॥ एकता नाना वृद्धिर्न काले कायनावयि ॥ अथ कसर्ग नुका एम य कायनगता पिच ॥ य
 स्यादिः सर्वधो रस्य यथमाया अथ क्रिया ॥ अकाजयनं च नम मन्त्रायाश्च यय धिमं ॥ मायं निवर्धकं स्यष्ट
 रूटं ययकमल्लणी साधनं लं दुसा मान्यमकाकी चक ॥ क कक्षा हि नार्थका अन्वगत नु क स्रुयतना वयि उच्चा

[illegible]

श्री २

[illegible]

गत्रिष्ठदुसिष्ठवृद्धिष्ठाहावाययतवर्जगुत्रवामनवृद्धाकातिगय॥ ११०॥ ॥ॐ त्रिविंशत्यनिपुत्रवर्जः॥

यदृतिप्रशयार्थश्चै० संकीर्णलिङ्गमन्त्रय० कर्मक्रियातन्मातृगम्यस्यनेयप्रसूना॥ साकल्यासर्जवच
नयात्रायलपत्रायल॥ यदृक्कास्तेनगाहुरुगून्मातृवासाविलक्षणं॥ गमथमुगमः॥ गान्तिद्वानिमुदमथ
दमः॥ आवदानकर्मवर्णकाम्यदानयवानलीवगक्रियासर्वदत्तमूलकर्मगुकार्मलीविधूननविधूवनीत
र्यलीपीतनावनीयर्थादि० स्यात्प्रतिशर्णहन्वावणमिश्रयि॥ सवनसीवनस्युतिदिनः॥ स्मृदन्निदा॥ आका
शानमरिचकः॥ स्वदावदनानना॥ समूर्जनमरियाफिया॥ हिद्वार्थनादना॥ वर्द्धनकदनथद्वआनय

आवध्यादिमूलनयसमावाहनवर्णकन॥ दिक्कन॥ मरिचकोवधिरिद्वलीकन॥ ३

द० दृक्कन

नसहाजन॥ आयकनमथसाय० संयदाय० दयदया॥ गहगहावग० काकोनदुमा० लमल० दाला० वध
वधयचायाक॥ हवाकूतोववावतो॥ डाघ० द्वाघनयानय॥ आनि० जी० रुमा० रुमा॥ स्मृटिर्वदोयथाखातोस्युः
सि० पृको० प्रव० प्रव॥ विधासमृद्धोस्मृनलीस्मृनलीयमितोयमा॥ यस्मृति० यसव० यस्मृति० यथाव० कसथ० कमे॥
उक्कवातिगयसमि० द्वाघविषयआग्रय॥ दिपायदिपलीगीलु० जित्रो० गुत्रलमृद्यम॥ उन्नायउन्नयग्र
य० प्रय० लजयनजय० निगदा० निगदमादा० मयउद्वगउद्वभो॥ विमर्दनयविमला० रथयपद्विननृग्रह० नि
ग्रह० तद्विद्व० स्यादरियागह्वरिग्रह० मयिर्वधमुसंगहा० जिम्वउमत्रविम्वोवधनयसिति० अत्र० सार्ज०

द्विजप्रियायानुपयव्याविश्वनामसा १

द्वयविलोकनस्य

विकारकृत्या

सुखायगक नि॥ नि कात्रा विष कात्र ४ स्या दा कात्र सुख ०० नि तीय त्रि ना भा वि कात्रा द्द सम वि कृ ति वि क्रि य ॥ अ
यं कात्र सुख यत्र ४ समा हात्र ४ समुच्च य ४ यथा हात्र उपा दानं वि हात्र सुय त्रि कु म ४ अ हि हात्रा हि गृ ह्ण नि र्हा त्रा
सुव कर्ष णी अ नू कात्रा नू कात्र ४ स्या दर्थ स्या य ग म यत्र ४ य वा रु दु य वृ क्रि ४ स्या न्य वहा ग म न व दि ४ वि य मा
वि य मा या मा य म ४ स्या म स य मो ॥ हि सा क मा हि वात्र ४ स्या ऊर्ग र्था जा ग रा द्द था ४ वि द्वा न रा य ४ य सु रु ४ स्या दू
य द्वा नि का ण थ ॥ नि र्व ७ उ य रा ग ४ स्या न्य त्रि स र्थ ४ य त्रि क्रि या ॥ वि धू रं दु य वि ह्वा ४ रि या य शु च्च आ ण य ४ स द्वा
य णी सम स नं य र्थ व र्का वि रा ध नी य त्रि स र्था य त्री सात्र ४ स्या दा स्या द्वा स ना स्ति नि ४ वि स्ता त्रा वि गृ हा याम ४ स च
अ हि धि क रु नि वि ला य न म र क ॥ दृ ज ला दी ना म त्रि क्रि ना या ४ म क र ४

74

गद्यसाविस्तरः। स्यान्मर्दनं संवारुतं विना। गः स्याददर्शनं। नी वा कमुययामः स्यात्सुनिधिः संनिधर्षणी। ल
 वाहिलावालवननिष्ठावः यवनयचः। यस्मावः स्यादवसनमुसनः सुश्रवः सुनायजनः स्यादयसनः यसनय
 लयोसमोः। धीः किर्तिः शुभाशुभसंकमादुर्गसंचरः। यथूकमः यथागमर्थः यकमः स्यादयकमः। स्याद
 स्यादानमन्यागः आनमः संजमस्तुना। यतिर्वधः यतिष्ठुमात्रनायमुनियातनः। उपलमः सुनरुवः समालं
 रानूलयनी। विपलं हाविषया। गमविलं रस्तुतिसर्जनं॥ विष्णवमुयतिः क्षातिः नवखायतिजागना। निपा
 ० नियः। येयाः। ० तमस्तुमो समुदनः। आदीनवायवोः कुलमलकसंगसंगभो। समीक्षणं विचयतं मार्गणी

मननमाला

आलिंगनया

अभयया

मृगलमृगहाय विररुय विरुजं संल्लयय गूढं । निर्वर्तुनं नु निधनं दर्शनालाकनं क्लीय र्विखानं
 निरसनं पृथदिगम निनाकृतिः उयगमया विगमयध्व पय्याय नयनार्थको ॥ आरुनं वसती याव द्दीलीयाव
 यूपार्थका स्याद्यायासा विपर्यासा यशयध्व विपर्याय ॥ पर्याया तिकमस्तस्मिन्नति पातउपाशयः ॥ यवर्लय
 नुमादूय तगस्यात्यतिगमसर्न ॥ समंकावः कुरुय्या मुक्तिरुमिर्दिजन्मनां निधायतयुतयशकाष्टकाष्ट
 सउद्यनः ॥ सुमयु सुसुमयनः सुधाथन निरुन्यात आविष्म विधुतयन तगविषयक्रमनियः ॥ उन्कावय
 निकानयः ॥ दोधन्याकषणार्थको निगत्राक्षेत्रविद्यावाज्ञाहसुगनेलदिय ॥ आनयवततिवतय उपवा

यद्वा सदा नृणां यादृतिपाठ आकाशमिथ्यानाम समंकावः ॥ ३

१२

स्वयलया

अभयलया

तदोपगवादिनी

वगया

वर्धया

मवाक्रियां निधुवः निधुति निर्धुवन निधुवत मिश्रितानि ॥ जवनरुतिः सातिव वसाने स्यादथका
 वामूर्तिः उदरुमुययुनलमकन लि वि श्यायः ॥ गमनाकयस्यवृद्धमिश्रोपगवकादिकी अपू
 पिकं गालिकमवसायमवरासी ॥ मानवाणं गुमानयः सहायानां सहायता दल्लाहलानां वा द्रष्टव्य
 उयलुद्विजन्मनां ॥ द्वयलुका नां यस्यानां यार्थयुक्तामनकमारा खलानां खलिनी खल्या याथमानयार्कनृणां
 यममताजनताधूमायागल्यापृथक्पृथक् अपिसाहसकानीय वामर्णार्थवनादिकी ॥ ॥ तिसकी
 लुवर्जः ॥ ॥ नानार्थः कपिकाकादिवर्णवार्थकी र्हिताशहविषयागमयययुपर्याययविश्वरत ॥ आ

अज्ञाविमलरुगधविमलितमिन्दुवामुसुतवाविमलितममिन्दुशिववसुनी ॥२॥

उक्तिः किंतिबुदासपि धृतिर्द्वारणधैर्यथाशुवृहतीद्वद्वार्त्तकी चन्द्रा रुदमहस्यपि वासिनामीकविः
लम्प्य वाक्वृत्तोजनप्रसो वाक्वृत्तुलुपुत्रागुरु विषयचयुतामृतकलध्वेरीनूयहमात्रिमिकुहकुलः
द्वुल्लभाशुभ्रतं प्रमुखावधृतया र्यगयया कथाः कृती आशा हिती महातीतिः कर्मजीवानपदिच ॥ यकृद्वा
दावृत्तहरी यावृत्तीतसमेषिषा वृत्तयथैव निरुति वृत्तीतदृष्टमिहल ॥ महडा कृत्वावगीतं जयस्याद्रहितं
विषाध्वेरीनूयपिनजतं हाववृथासिगविषा ॥ विविताजगदिगपिनकीनीलादिनागिच अवदातः सि
तयीत उद्धवद्वाहनासितो ॥ यकृत् हि संस्कृतमर्थिष्य हिनीताथसंस्कृती कृतिमलदा लभयतं यनकान

२७

वधवापि ॥ ख्यातदृष्टयतीतारि जातमुकूलजवधे ॥ विविक्तो पूतविनीमूर्द्धितो मूरसाकृत्यो ॥ द्वोचास्य
नूयोऽल्लोनिगीधवलसचको सथसाधो विद्यमान ह्यदितयगसुचसत् ॥ पूनत्कृतः पूजितराशिरियकृत
तः कृत निवोतावागयावातो गमार्ह्यश्वर्मयत ॥ जातानद्वयवृद्धाः स्युर्द्विगताऽऽशि तास्त्वमी ॥ वृद्धि
मत् याद्यतो न्यत्रा आदृतो सादना चितो ॥ अथ हि धेयनेवमुपयाजननिवृद्धिषा निदानागमथाफीर्थः
मृषिरुम् उल्लुगो ॥ समर्थमिह किं सुसम्बद्धा र्थहितपिचादगमीको दीपनागवृद्धोवीथीपदयपि ॥ आ
स्त्वानीयन्नयानास्त्वामीसानमानयाः ॥ अरिपायवसो कृद्यो अर्थोजीमूतवसुनो ॥ अववा दोउ निदाहि

नगमादिनमधिनमवलयागीर्थः २ ३२

दाया दो सुगवाधवो॥ पादावधौ विरुय्या ४४ चन्द्रा न्ना क्का सुमो नूद ॥ निर्वोदा जनवायपि गभदा जम्बालगवा
 था ॥ सात्रव नूदित शारया कन्दो दान लनल ॥ सात्यसादानूना धपि मूद ४ साद्य ३ नयिचा ॥ गभदा श्रुयिर्ग
 विद्या रुषया मादव नमद ॥ याश्र नो राजलि ॥ ज वृवा ॥ ज क कूदा मिया ॥ मी समितु क्कान स म्मावा कियाना जि
 नामस ॥ धर्म नर सुयनिषत् स्या दृतो वसु न ग नत् ॥ यदयव सिति शाल क्कान ल द्वा विव मुव ॥ गभदा द स विग
 मान यति वा कथमास्यदो विविष्टम धू नो स्वादू मूद वाती द्वा काम लो ॥ मूद लायद नि द्वा गभमदा ४ स्य द्रो कु गभ
 नदो यथय यतिरो विद्व सुय गलो विग्न नदो ॥ यामावट छन ॥ गभदा वृक्ष ॥ धो काय डन्न गि ४ यया दान द्य मा नो

८७

ध्ववीव ॥ धो विव ॥ धो वतो ॥ य नि धिर्य क्रिय गरा ४ गभ खाया मय सूर्य क ॥ वध क य स न चर ४ पी ग विष्टान माध य ४
 ॥ समाधिय कानी वाक नियमर्थ समर्थ न दाया न्या द नू व च ४ स्या न्य क्का दिष्ट नि ध्वन ॥ मूद न्या यि नि धि लो
 य कृत स्या निव रू न विध्वि धो च द्य मसि य नि क्क द विल वधि ॥ विधि विधान देव पि यलि धि ४ यार्थ न चर ॥ वृद्ध
 वृद्धो पण्डित पि सु च ४ समूद य पि व ॥ दणन द वि ॥ गभ द्वा सिध्ना स त्रिति मिया ॥ विध वि ॥ धो यका न च साधू न
 मय पि व रिषा ॥ वधू या या स्र वा मी च स्र धाल या मृग सुदी ॥ स्र धाय ति क्क म र्यादा ॥ गभदा स य य ४ स्र हा ॥ मध्म मंथ
 पथ व स द्वा द वा धं त म स्या पि भूत सि ध्म सम न्दो पण्डित म न ग वितो ॥ व द्वा व धू न धि क थ नि द्द ॥ गभ वल मिता ४

निवर्तनायकप्रमः नूवञ्चसूचसाधन॥ निर्यातनवैरुद्धो दानन्यासायलपिचायसनविद्यदिरुं (न. दायका
 मजकायज॥ यद्वादि लान्निदि ३३ लं तन्वायल यलीयसि। तिथिरुदका लपर्ववसनरुद्धदधनि॥ अका
 यरुद्धकोपीनं मेधूनसर्ग तोवत। सुधोनयनमानाधीः यरुद्धनवद्विचिन्नाथा॥ यसूनं यय रुलथाविधने
 कूलनागया॥ कचननादना दानवर्मदह्यमालया॥ गृहदह विन्युतावा धमानयधचगुया (थास निव
 लत्रसंस्काने लक्ष्मिचिन्नायमानया॥ आकादनं सन्निधानं मयध्मवर्णमिश्रं। आनाधनं साधनस्या दवायो
 तोषलपिचाय अविधानं कृपून यतावा ध्मासनधयि। नन्त्रुजा तिष्ठय पिवनं सलिलकाननं॥ तलिनेवि

८८

ललसाक वाचालिनी सुधरुनासमाना॥ सन्ममेकस्य॥ पिष्टुनाखलसूचको॥ हीनं यनावूनगञ्जोवगिसूत्रोत
 नमिनी अति यनायनाद्वारि यस्तुवायद्र तावयि। कलाया रुद्धावहं रुणीनसंरुतापिचायनिर्द्धयरीवाय
 १ ययको सलिल कितो॥ गमधूक (गमधुयति) (गमधो रुना विष्णु दृष्टा कयी। वाद्यावध्या कसिपू त्वनमाकादनं
 दयं॥ कल्याण याददा नय सुभयिविरुद्धा मि यां। याय नूय १ सनूया हि नूयावधमना रुथा॥ रुयलिङ्ग अमी
 कृमी वीण लंदय कचयी। विवरुक् मिह नरु। दिवरावव वयिच॥ सिद्धाजय यी सत्रिति मासिकाया
 ३ मावूत। अक नारुवसत्रं वर्गधर्वादिवा गयन॥ कम्पनावलथनं ख दिजिद्धो सूर्यसूचको॥ यूर्वा यलिङ्ग

सिद्धमूलतवृणां स्या त्रवादी नोयुवयिच। उल्ल ४ स्यादुक्त नरावलकाय गहनविच॥ २

कथायात्रागदमादंगनागविलयन। निर्याल उकवा आधमरुतो ला दितः नवादि विविधः॥४॥ वायव्यकननमृथो पायावायुलुल्लय। निरिति॥४॥
 धामगत। समय। ४। गायथात्रात्र काल सिद्धान्त संविदः॥५॥ सना न्युहं देव विपदि शूनया धियः॥ अह्यथाः
 तिकमकृच्छु दात्रद पुयथापदि। यद्वायथाः॥ सना रायः॥ यूयमुपयुत्रयिच। पय्यादयत्ता यिवलं समवा
 यसयनयो॥ संद्यात सन्निव। गय संज्ञायः॥ पय्यात्ता नी। विमृहयाद्वा यमा। ल। विकारा यिसमृद्धयः॥ वि
 मया। यसायाः॥ स्तुत गद्यादिक श्रुति। निर्यासपिक थायाः॥ श्रीसहायाः॥ यतिप्रयथायाः॥ हृन्नाके गमन
 मन्यदेना कतो कुधिरह सापस्तथा युर्ध्वं सहासपथगथायाः॥ वीर्यवलपतावोच दयंरथ उल्लस्यथा। धि
 श्चिह्नान गृहहृत्। लो। लार्ध कर्म छुहा गृहं॥ क। ग। नृह मा गै। गय विगला दनिका पित्र। दवा कयी प्री। ने
 उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत्॥२॥ उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत्॥२॥
 उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत्॥२॥ उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत् उक्तरहायुपहृत्॥२॥

२० मथ्यायानि विविधः॥
 वीर्यगमनपथगथायाः॥

जन्मा माहवयसाः॥ जन्मा जन्मनीवनापया। जनयिशाश्च जन्मा दयद्वया निरिति॥३॥ जयनं वयसा। जयनं वयसा।
 यो न हि रखा नाम। लो। रखा॥ जयनम्। निरुक्तिः॥ गिद्वा। यूजनं संयधानलं। उपायः॥ कर्मवयसा च विविधः॥
 नवक्रियाः॥ चयासूर्यपिया कानिः॥ यमि विम्वमनातयः॥ कश्चा युका यूरुमाद का शुभम। धारवधन॥ कथा
 क्रिया दवरथाः॥ विष्णुयधना दिहिः॥ जयः॥ स्यात्तु नवादयि जयंथा। धनयिच॥ गम्यादी नोचवकथो
 कलो सज्जनि नामथो। अर्थवाननयभा थर्द। येषु लुवावपि। नूयः॥ यगस्तूयः॥ वदाना वज्रुवा गपि न्याः
 यपिमधः॥ सोम्यनुसुन्दर सोम्यदवत॥ निवहा वसनोवा नो। संसुनो पस्तनाधनो। उतूगी यतिपिशाओ दायः
 योयगसंगथो॥ युका नोतद साहृ। अका ना विद्विता कृती। किं ग नूधन्य गूकयू मयूधन्य धनधनो॥ अयः
 कल्पितावली वयसा कलोवा गवि वरि। सज्जनी नागदक्षः॥ कलानवचनयिच। उपायवचनयिच। निरिति॥३॥
 कल्पितावली वयसा कलोवा गवि वरि। सज्जनी नागदक्षः॥ कलानवचनयिच। उपायवचनयिच। निरिति॥३॥

जन्मा माहवयसाः॥ जन्मा जन्मनीवनापया। जनयिशाश्च जन्मा दयद्वया निरिति॥३॥

जयनं वयसा। जयनं वयसा।

22

वनाप्रस्थ^{१३} वनी^{१३} जमरुवा^{१३} रवी^{१३} ॥ मन्त्री^{१३} सहाय^{१३} सखि^{१३} यो^{१३} पति^{१३} सौ^{१३} खिन^{१३} ना^{१३} धवा^{१३} अवेय^{१३} १ (नेलमवा^{१३} क्री^{१३} आ
 रू^{१३} रू^{१३} ना^{१३} धवा^{१३} ॥ राव^{१३} ४ सख^{१३} सखा^{१३} वा^{१३} रि^{१३} या^{१३} य^{१३} य^{१३} म^{१३} ज^{१३} न^{१३} स^{१३} ॥ सा^{१३} द^{१३} द^{१३} रु^{१३} ल^{१३} य^{१३} य^{१३} स^{१३} वा^{१३} ग^{१३} ह^{१३}
 वि^{१३} मा^{१३} च^{१३} न^{१३} ॥ ज^{१३} वि^{१३} श^{१३} स^{१३} इ^{१३} य^{१३} द^{१३} व^{१३} पि^{१३} नि^{१३} क^{१३} गा^{१३} व^{१३} पि^{१३} नि^{१३} क^{१३} व^{१३} ॥ ३ न^{१३} क^{१३} म^{१३} र^{१३} य^{१३} नि^{१३} क^{१३} य^{१३} स^{१३} न^{१३} स^{१३} ह^{१३} उ^{१३} स^{१३} ॥ व^{१३} ॥
 अ^{१३} न^{१३} रा^{१३} व^{१३} ४ य^{१३} रा^{१३} व^{१३} च^{१३} स^{१३} गा^{१३} च^{१३} म^{१३} ति^{१३} ने^{१३} ध^{१३} य^{१३} ॥ सा^{१३} रू^{१३} न^{१३} म^{१३} ह^{१३} उ^{१३} य^{१३} स^{१३} व^{१३} क^{१३} न^{१३} वा^{१३} था^{१३} य^{१३} ल^{१३} द^{१३} य^{१३} ॥ गू^{१३} दा^{१३} या^{१३} वि^{१३} य^{१३} न^{१३}
 न^{१३} य^{१३} ॥ म^{१३} य^{१३} प^{१३} न^{१३} ग^{१३} वा^{१३} म^{१३} रा^{१३} ॥ क^{१३} व^{१३} रा^{१३} व^{१३} द^{१३} क^{१३} व^{१३} ल^{१३} नि^{१३} धि^{१३} त^{१३} म^{१३} श^{१३} व^{१३} त^{१३} रि^{१३} म^{१३} ॥ ख^{१३} रू^{१३} ना^{१३} वा^{१३} न^{१३} नि^{१३} ख^{१३} रि^{१३} खा^{१३} नी^{१३} य^{१३}
 सा^{१३} क्रि^{१३} या^{१३} धि^{१३} न^{१३} ॥ क^{१३} टी^{१३} व^{१३} मु^{१३} न^{१३} धि^{१३} पि^{१३} नी^{१३} वी^{१३} य^{१३} नि^{१३} य^{१३} ले^{१३} पि^{१३} च^{१३} ॥ नि^{१३} वा^{१३} (ने^{१३} वी^{१३} रु^{१३} न^{१३} व^{१३} या^{१३} ॥ ३ द^{१३} द^{१३} क^{१३} ल^{१३} ह^{१३} य^{१३} म^{१३} या^{१३}

साथीहमूलपनधन१

पार्वती१

२४

॥ द^{१३} वा^{१३} स^{१३} य^{१३} व^{१३} सा^{१३} थ^{१३} पि^{१३} स^{१३} व^{१३} म^{१३} म^{१३} टी^{१३} रु^{१३} ज^{१३} रु^{१३} म^{१३} ॥ क^{१३} वी^{१३} र^{१३} य^{१३} न^{१३} य^{१३} स^{१३} क^{१३} र^{१३} ॥ वा^{१३} य^{१३} लि^{१३} न^{१३} म^{१३} पि^{१३} क^{१३} म^{१३} ॥ र^{१३} क^{१३} ॥ दो^{१३} वि^{१३} (ने^{१३} वे^{१३}
 ग^{१३} म^{१३} न^{१३} जो^{१३} दो^{१३} च^{१३} वा^{१३} रि^{१३} म^{१३} त्रि^{१३} स^{१३} (ने^{१३} ॥ दो^{१३} वा^{१३} नी^{१३} क^{१३} ज^{१३} म^{१३} या^{१३} दो^{१३} ॥ दो^{१३} र^{१३} (ने^{१३} क^{१३} ल^{१३} म^{१३} स^{१३} क^{१३} वी^{१३} ॥ न^{१३} ह^{१३} ४ या^{१३} का^{१३} (ने^{१३} वी^{१३} का^{१३} ल^{१३}
 नि^{१३} द^{१३} (ने^{१३} ह^{१३} ति^{१३} रा^{१३} ग^{१३} या^{१३} ॥ क^{१३} गा^{१३} क^{१३} य^{१३} सि^{१३} नी^{१३} का^{१३} ॥ ४ द^{१३} द^{१३} क^{१३} र^{१३} क^{१३} या^{१३} पि^{१३} य^{१३} द^{१३} ल^{१३} द^{१३} नि^{१३} मि^{१३} रु^{१३} व^{१३} द^{१३} ॥ ४ सा^{१३} ग^{१३} क^{१३} र^{१३}
 म^{१३} य^{१३} च^{१३} ॥ द^{१३} (ने^{१३} व^{१३} क^{१३} न^{१३} क^{१३} वि^{१३} ध^{१३} या^{१३} (ने^{१३} ह^{१३} पि^{१३} च^{१३} या^{१३} गा^{१३} ॥ व^{१३} (ने^{१३} म^{१३} क^{१३} वि^{१३} नी^{१३} व^{१३} (ने^{१३} क^{१३} रू^{१३} न^{१३} रू^{१३} न^{१३} त्रि^{१३} रि^{१३} य^{१३} ॥ सा^{१३}
 क^{१३} रू^{१३} ॥ ४ सा^{१३} ह^{१३} सि^{१३} क^{१३} ॥ क^{१३} (ने^{१३} न^{१३} म^{१३} स^{१३} ल^{१३} व^{१३} पि^{१३} य^{१३} का^{१३} (ने^{१३} गि^{१३} य^{१३} सि^{१३} द^{१३} पि^{१३} नि^{१३} (ने^{१३} व^{१३} रू^{१३} पि^{१३} वा^{१३} लि^{१३} ॥ ४ (ने^{१३} क^{१३} ॥ स^{१३} न^{१३}
 म^{१३} स^{१३} या^{१३} व^{१३} नि^{१३} मि^{१३} थो^{१३} य^{१३} न^{१३} या^{१३} वा^{१३} स^{१३} म^{१३} न^{१३} वी^{१३} ॥ का^{१३} क^{१३} म^{१३} स^{१३} या^{१३} ख^{१३} (ने^{१३} ध^{१३} क^{१३} ॥ क^{१३} दो^{१३} रु^{१३} ल^{१३} वी^{१३} न^{१३} (धो^{१३} ॥ अ^{१३} री^{१३} व^{१३} ४ य^{१३} ग^{१३} ह^{१३} न^{१३}

तनूलादिदणना नमकाव४॥३

दो० या०१

मूर्ख२

सठयावाक१

किमग विकला किं किमुतच । गृहि च साहवे पादयूत्र ॥ पूजा ॥ युजन स्वति ॥ दिवा क्रीयर्थदा माचन क २३
 नजना विति । तिर्यगर्थसा वितिना यथसम्माधनार्थका ॥ स्याः याट्या उगहृहता ॥ समया निकया
 दिनक । अत किं तउ सहसा स्या न्यत्र ॥ यत्र ता गत ॥ साहादवह विद्वा न ॥ शेष दोष प्रसङ्गा ॥ किं विदी
 य मना गल्य यथा मर एवा कर्तव्य ॥ वद ॥ यथा ॥ किं सामाहा ही च विस्मया मोन उरुं रूखी कां स
 य ॥ सपदि गच्छ ॥ दि - सा ॥ यथा ॥ अक प्रल वम ॥ स्या ॥ यस्य उह
 अर्थक ॥ यक द सायि गस्तान ॥ नाना ना पि मास्य मा ॥ व ॥ वानत्र ॥ ॥ ॥

२८